RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 115 ता. 24 अक्टूबर 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

गुरु पुष्य नक्षत्र 24 को, दीपावली की खरीदारी करने का शुभ मुहूर्त

जयपुर। दीपावली को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ी गई है और लोग तैयारियों में जुट गए हैं। ग्राहकों को खरीदारी के लिए आकर्षक ऑफर भी दिए जा रहे हैं। दीपावली पर खरीदारी की शुरुआत गुरु पुष्य नक्षत्र 24 अक्टूबर यानी गुरुवार से होगी। इस दिन से लेकर तीन नवंबर तक खरीदारी के कई शुभ संयोग बन रहे हैं। इस मौके पर राशि के अनुसार खरीदारी कर लाभ पा सकते हैं। धनतेरस से पहले खरीदारी का बड़ा मुहूर्त 24 अक्टूबर है। इस दिन खरीदारी के लिए विशेष अमृताशं योग बन रहा है। इस दिन सोने-चांदी के गहने, सिक्के, बर्तन, जमीन, घर और वाहनों से लेकर इलेक्ट्रिक सामान की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 24 अक्टूबर को पूरे दिन खरीदारी के लिए शुभ मुहूर्त है। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ज्योतिषाचार्य प्रो. विनोद शास्त्री ने बताया कि गुरु पुष्य नक्षत्र पर विशेष संयोग का निर्माण हो रहा है। गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र आता है तो यह विशेष अमृताशं योग बन जाता है। यह योग विशेष तौर पर खरीदारी और नए काम को शुरू करने के लिए एक अबूझ मुहूर्त की तरह होता है। इसलिए दीपावली से पहले गुरु पुष्य नक्षत्र में बहीखाते, बर्तन, ज्वेलरी और वाहन आदि खरीदे जाते हैं। इस नक्षत्र के साथ ही दीपावली का आगाज होता है। इस बार 6 दिन का दीपोत्सव रहने वाला है। जो 29 अक्टूबर से शुरू होकर 3 नवंबर तक रहेगा। कुछ ऐसे संयोग बन रहे हैं कि दो दिन दीपावली मनाई जा सकती है। ऐसी स्थिति में मांगलिक वस्तुओं को खरीद कर लाया जाता है क्योंकि, नए पदार्थ और धातुओं के गहने, बर्तन और बहीखाते पूरे साल हमें श्रेष्ठ फल देते हैं, इसलिए भी यह महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

सांसद पप्पू यादव के खिलाफ यूपी की अदालत ने जारी किया गैर जमानती वारंट

पटना। गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट ने बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव समेत 11 लोगों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। पप्पू यादव पर चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप है। निचली अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया था, लेकिन अब ऊपरी अदालत में सुनवाई जारी है। बता दें पूरा मामला 8 नवंबर 1993 का है। तब मुहम्मदाबाद थाने के थानाध्यक्ष वीएन सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें खबर मिली है कि बिहार के दो विधायक पप्पू यादव और उमेश पासवान अपने साथ कई लोगों को लेकर यूपी आ रहे हैं। ये लोग चुनाव में गड़बड़ी फैलाना चाहते हैं। रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ और बाद में चार्जशीट दाखिल की गई। निचली अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया था, लेकिन अभियोजन पक्ष ने इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दे दी। अब यह मामला गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहा है। सुनवाई के दौरान पप्पू यादव और अन्य आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए। इस पर अदालत ने सख्ती दिखाते हुए सभी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। अदालत ने अगली सुनवाई 4 नवंबर तय की है।

वायु प्रदूषण से हर साल हो रहीं कोरोना से भी ज्यादा मौतें, लोग हैं अंजान

एम्स दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। एम्स दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने चेतावनी दी है। यह चेतावनी उन्होंने प्रदूषण को लेकर दी है। ये कितना खतरनाक है, इसको लेकर गुलेरिया ने कहा है कि कोरोना महामारी की वजह से जितनी मौतें हुईं, उससे कहीं ज्यादा हर साल सिर्फ प्रदूषण से हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में 2021 में कहा गया है कि दुनिया में करीब 80 लाख लोगों की वायु प्रदूषण से मौत हुई है। यह कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों की संख्या से कहीं ज्यादा है। हम वायु प्रदूषण के बारे में चिंतित नहीं हैं। वायु प्रदूषाण कितना खतरनाक है, इसको लेकर उन्होंने कहा कि भारत के हालिया डेटा से पता चलता है कि पीएम 2.5 में केवल 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि मौत की दर को काफी ज्यादा बढ़ा देती है। यह सांस और हृदय संबंधी समस्याओं के कारण होता है। वायु प्रदूषण फेफड़ों में सूजन पैदा करता है। सांस संबंधी समस्या होती है। मरीज कई बार आईसीयू या वेंटिलेटर पर पहुंच जाता है और इससे मृत्यु दर बढ़ जाती है। गुलेरिया ने कहा कि जो लोग हृदय रोगी है...यह प्रदूषण हृदय की वाहिकाओं में सूजन का कारण बनता है और इससे दिल का दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। सिर्फ हृदय और फेफड़ों की ही बात नहीं है, वायु प्रदूषण शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है क्योंकि वायु प्रदूषकों के ये सूक्ष्म कण 2.5 माइक्रोन से कम होते हैं। जब ये रसायन फेफड़ों से शरीर में जाते हैं, तो कई अंगों में जा सकते हैं, जिससे दीर्घकालिक प्रभाव वाली बीमारियां हो सकती हैं, जैसे डिमेंशिया, तंत्रिका संबंधी समस्याएं, मधुमेह, मेटाबोलिक सिंड्रोम, ये सभी वायु प्रदूषण से जुड़े हुए हैं। गुलेरिया की ये चेतावनी ऐसे समय दी है जब मानसून की विदाई के साथ ही देश में प्रदूषण वाला मौसम दस्तक दे चुका है। दिल्ली में तो एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 400 पार जा चुका है। इसका सीधा मतलब है कि हवा इतनी जहरीली हो गई है कि उसमें सांस लेना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही खतरनाक है।

कजान से पीएम मोदी का शांति संदेश,

हम युद्ध नहीं, डायलॉग और कूटनीति के समर्थक

कजान।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स समिट में शामिल हुए। ब्रिक्स के मंच से उन्होंने चीन, रूस सहित पूरी दुनिया को नसीहत देकर कहा कि जंग किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। पीएम मोदी ने कहा, हम युद्ध नहीं, डायलॉग और कूटनीति का समर्थन करते हैं। पीएम मोदी जब बोल रहे थे तब उनके अगल-बगल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति व्लाब्दिमीर पुतिन मौजूद थे। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज की बैठक के शानदार आयोजन के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि आज हम पहली बार एक्सटेंडेड ब्रिक्स फैमिली के रूप में मिल रहे हैं। ब्रिक्स परिवार से जुड़े सभी नए सदस्यों और साथियों का मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। पिछले एक वर्ष में, रूस की सफल अध्यक्षता के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का अभिनंदन करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि दोस्तों हमारी बैठक उस समय में हो रही है जब विश्व युद्धों, संघर्षों, आर्थिक अनिश्चितता, क्लाइमेट चेंज आतंकवाद जैसी अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है. विश्व में नार्थ-साउथ और पूर्व-पश्चिम डिवाइड की बात हो रही है। महंगाई की रोकथाम, फूड सिक्योरिटी, एनर्जी सिक्योरिटी, हेल्थ सिक्योरिटी, वॉटर सिक्योरिटी, सभी देशों के लिए प्राथमिकता के विषय हैं। लेकिन इन सभी के बाद भी मेरा मानना है कि एक डाइवर्स और इन्क्लूसिव प्लेटफॉर्म के रूप में, ब्रिक्स सभी विषयों पर सकारात्मक भूमिका अदा कर सकता है। इस संदर्भ में हमारी अप्रोच पीपुल सेंट्रिक होनी चाहिए। हमें विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं, जनहितकारी समूह है। हम युद्ध नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। आतंकवाद और टेरर फंडिग से निपटने के लिए हम सभी को एक मत हो कर दृढ़ता से सहयोग देना होगा। इसतरह के गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं है। हमारे देशों के युवाओं में रेडिक्लाइजेशन को रोकने के लिए हमें सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए। फ्रेंड्स, भारत नए देशों का ब्रिक्स पार्टनर के रूप में स्वागत करने के लिए तैयार है। इस संबंध में सभी निर्णय सर्वसम्मति से होने चाहिए और ब्रिक्स के फाउंड़िग मेंबर्स के विचारों का सम्मान करना चाहिए। जोहानसबर्ग समिट में जो गाइडिंग प्रिंसिपल्स, स्टैंडर्ड , क्राइटेररिया और प्रोसजिर्स हमने अपनाया था, उनका पालन सभी सदस्य और पार्टनर देशों को करना चाहिए। फ्रेंडस, ब्रिक्स ऐसा संगठन है, जो समय के अनुसार खुद को बदलने की इच्छा-शक्ति रखता है। हमें यूएन सिक्योरिटी काउंसिल, मल्टीलेटरल डेवपलमेंट बैंक्स, वर्ल्ड ट्रेड आर्गनाइजेशन जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार के लिए समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। ब्रिक्स के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए हमें ध्यान रखना चाहिए कि इस संगठन की छवि ऐसी न बने कि हम ग्लोबल इंस्टीट्यूशंस में रिफार्म नहीं, बल्कि उन्हें रिप्लेस करना चाहते हैं। फ्रेंड्स, विभिन्न प्रकार के विचारों और विचारधाराओं के संगम से बना बिक्स समूह, आज विश्व को सकारात्मक सहयोग की दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।

महाकुंभ: प्रयागराज में देशभर से श्रद्धालुओं का आना शुरू

देश की आस्था का केंद्र महाकुंभ-2025 दुनिया का सबसे भव्य सांस्कृतिक आयोजन होगा

प्रयागराज ।

महाकुंभ-2025 में शामिल होने श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। योगी सरकार देश की आस्था का केंद्र महाकुंभ-2025 को दुनिया का सबसे भव्य सांस्कृतिक आयोजन बनाने में लगी हुई है। सरकार की धर्म-कर्म को लेकर स्पष्ट नीति के परिणामस्वरूप देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। यहां तक कि विदेश से भी लोग अपनी सात-सात पीढ़ियों को मोक्ष दिलाने के लिए संगम नगरी पहुंचने लगे हैं। योगी सरकार ने प्रयागराज के घाट पर अपने सबसे कुशल अफसरों को तैनात किया है। आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना के अलावा कई राज्यों से हजारों लोगों का अनुष्ठान प्रयागराज के पुरोहित प्रतिदिन करा रहे हैं। इनके अलावा अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, रूस में भी रहने वाले भारतीय मां गंगा को प्रणाम करने आने लगे हैं। इनमें बड़ी संख्या में लोग अपने पूर्वजों की अस्थियां भी लेकर आ रहे हैं। योगी सरकार का अधिकारियों को सख्त निर्देश है कि बाहर से बड़ी संख्या में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की समस्या ना आने पाए। महाकुंभ को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। आस्था और विश्वास को लेकर प्रतिदिन उमड़ते लोगों के मद्देनजर तीर्थराज प्रयाग एक तरह से देश का धार्मिक केंद्र बनता जा रहा है।

सात-आठ पीढ़ियों को मुक्ति दिलाने के लिए हो रहे कर्मकांड

प्रयागराज में संगम घाट के पुरोहित पंडित महेंद्र नाथ शर्मा ने बताया कि महाकुंभ से पहले ही देश-विदेश से अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए आने वाले अप्रवासियों की संख्या अचानक बढ़ने लगी है। यहां बड़ी संख्या में लोग अपनी सात-आठ पीढ़ियों को मुक्ति दिलाने के लिए कर्मकांड करने आ रहे हैं। इसके अलावा भारत के बाहर से भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग आते हैं, जिन्हें इतनी लंबी पीढ़ियों की जानकारी नहीं होती। प्रयागराज के घाट पर मौजूद पुरोहित उन्हें इस तरह की लिखित जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं। प्रयागराज के प्रसिद्ध प्रयागवाल सुब्रह्मण्यम शास्त्री उर्फ चारी जी के अनुसार, योगी सरकार के रात-दिन चल रहे नवनिर्माण को देखकर स्थानीय लोगों के साथ-साथ अप्रवासियों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रयागराज के घाट पर ब्राह्मण, पुरोहित और पंडा के पास आने वाले लोगों की लंबी कतार लगने लगी है।

चलते ऑटो में रील बनाने सिर बाहर निकाला...............खंभे से टकराया हुई मौत

बदायूं ।

आजकल रील बनाने का नशा युवाओं में चढ़ा हुआ है। लेकिन कई बार रील बनाने के शौक में अपनी सुध-बुध भूल जाते हैं और बिना जान की परवाह किए रील बनाना शुरू कर देते है। यह हादसा बरेली-मथुरा हाइवे पर हुआ। चालक द्वारा चलते ऑटो में सिर बहार निकाल कर हाईवे पर रील बनाना मंहगा पड़ गया। इस दौरान भयावह हादसे में सड़क किनारे खड़े विद्युत खंभे से उसका सिर टकरा गया। इसमें ऑटो चालक की जान चली गई है। मूल रूप से कन्नौज के गांव गुरसहायगंज का रहने वाला 21 साल का रतन सिंह पिछ्ले 3 सालों से अपने मौसा राजवीर के घर रहकर ऑटो चलाने का काम किया करता था। बीती रात उसके गांव के ही कुछ युवाओं ने उझानी में चल रहे रामलीला देखने के लिए ऑटो बुक किया था। पुलिस के मुताबिक घनश्याम अपने ऑटो में चार युवकों को बैठा कर रामलीला मंचन दिखाने ले जा रहा था। तभी इंस्टाग्राम पर रील बनाने लगा। ऑटो चालक मथुरा-बरेली हाईवे पर पहुंचा, तब मोबाइल फोन से रील बनाना शुरू कर दिया। बताते हैं कि चलते ऑटो में घनश्याम ने एक हाथ में मोबाइल फोन पकड़कर रील बनाने के लिए अपने सिर को बाहर निकाल लिया। तभी सड़क किनारे खड़े विद्युत खंभे से टकरा गया। हादसे में घनश्याम गंभीर रूप से घायल हो गया आनन-फानन में ऑटो में सवार लोग उस उझानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए लेकर आए। लेकिन डॉक्टर ने यहां उसे मृत घोषित कर दिया।

गांदरबल हमले के बाद काउंटर-इंटेलिजेंस की कार्रवाई, आठ लोगों को लिया हिरासत में

बाबा हमास कश्मीरी युवाओं को गुमराह कर आतंक के रास्ते पर धकेल रहा

श्रीनगर।

गांदरबल आतंकी हमले में 7 लोगों की हत्या के बाद जम्मू-कश्मीर के काउंटर-इंटेलिजेंस ने राज्य में ताबड़तोड़ कार्रवाई की। इस हमले को तहरीक ए लबैक संगठन ने अंजाम दिया था। पुलिस ने कश्मीर में श्रीनगर, बांदीपोरा, गांदरबल, बड़गाम और अनंतनाग समेत कई इलाकों में 10 ठिकानों पर छापे मारे और आठ लोगों को हिरासत में लिया है। इसके बाद कश्मीर में आतंकियों के एक बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ। जांच में बाबा हमास नाम के एक लश्कर कमांडर का नाम सामने आया, जो कश्मीर वैली में युवाओं को गुमराह कर आतंक के रास्ते पर ले जा रहा था। पाकिस्तान में बैठा यह हैंडलर तहरीक ए लबैक (टीएलएम) नाम से दहशतगर्दों की नई फौज खड़ी कर रहा है। इसके पीछे भी पाकिस्तान समर्थित लश्कर-ए-तैयबा का हाथ है। बाबा हमास खुद को गाजी हमास के तौर भी पेश करता है और सोशल मीडिया के जरिये युवाओं से संपर्क करता है। इंटेलिजेंस के हत्थे चढ़े आतंकियों ने बताया कि बाबा हमास का असली नाम कोई नहीं जानता है। बाबा हमास माइंडवॉश करने के बाद युवाओं को ट्रेनिंग देकर आतंकी हमलों में शामिल करता था। उसने कुछ आतंकियों को बांदीपोरा इलाके में घुसपैठ कराई थी। गांदरबल अटैक में शामिल दो पाकिस्तानी आतंकी भी बाबा हमास के गुर्गे ही थे।बाबा हमास के इशारे पर ही गांदरबल समेत कई इलाकों में आतंकी हमले हुए हैं। टीएलएम, लश्कर-ए-तयैबा की तरह एक खतरनाक आतंकी संगठन है, जो कश्मीरी युवाओं को निशाना बना रहा है। सूत्रों का कहना है कि टीएलएम युवाओं को पैसे का लालच देकर फंसाता है और उन्हें पाकिस्तान में ट्रेनिंग के लिए ले जाता है। ट्रेनिंग के बाद, इन युवाओं को वापस कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए भेज देता है।

एआई पर आधारित हुई रेलवे की हेल्पलाइन 139...........यात्रियों को जल्द मिल रहा समस्या का समाधान

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे की हेल्पलाइन 139 प्रतिदिन 3 लाख से ज्यादा कॉल हैडल करती है। लेकिन बीते 10 साल इसमें बड़ा बदलाव आया और कॉल सेंटर आधारित सिस्टम से बदलकर प्राइमरी तौर पर ऑटोमेटिक पर शिफ्ट कर दिया गया। इसका फायदा यह हुआ है कि लोगों को ज्यादातर भारतीय भाषाओं में रेलवे से जुड़ी जानकारियां जैसे ट्रेन टाइमिंग, टिकट कंफर्मेशन और ट्रेन रूट से जुड़ी रियल-टाइम मिल रही है। इसके पहले कॉल-सेंटर आधारित सिस्टम में लोगों को कॉल के दौरान जानकारी प्राप्त करने के लिए लंबा इंतजार करना होता था। रेलवे की ओर से आईवीआर सिस्टम में भी बड़ा बदलाव हुआ है। यात्री अब गंदे टॉयलेट-कोच, गायब बेडरोल और तत्काल मेडिकल जरूरतों के लिए शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एआई आधारित शिकायत सिस्टम से काफी बदलाव आया है। इसकी मदद से यात्री अपनी आवाज के द्वारा शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत के समय उन्हें पीएनआर नंबर भी बताना होगा। इस शिकायत को रियल-टाइम में रेलवे स्टाफ को दी जाएगी और अगले स्टेशन पर आपकी समस्या का समाधान होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह जेन एआई द्वारा संचालित है और इसे बेंगलुरु की उबोना ने विकसित किया है। पहले 90 प्रतिशत कॉल हिंदी या अंग्रेजी में होती थी, लेकिन अब यह आंकड़ा 58 प्रतिशत पर पहुंच गया है। 139 के अलावा भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग कंपनी आईआरसीटीसी द्वारा 14646 हेल्पलाइन को ऑटोमेट करने पर काम किया जा रहा है, यह आने वाले महीनों में लाइव हो सकती है। एआई का इस्तेमाल रेलवे के साथ सभी सेक्टर्स में बढ़ता जा रहा है। इस कारण एआई स्टार्टअप की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है।

हम समझ सकते हैं तुम्हारा दर्द, किताब बेचने के चक्कर में अपना ईमान बेच गई

बीजेपी नेता बबीता फोगाट ने साक्षी मलिक के आरोपों को बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली।

हरियाणा चुनाव के बाद महिला पहलवान के बीच नूराकुश्ती चल रही है। रेसलर साक्षी मलिक के आरोपों पर बीजेपी नेता बबीता फोगाट ने जवाब दिया है। बबीता ने कहा कि साक्षी बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कल वह यह भी कह सकती हैं कि बबीता ने ही यौन उत्पीड़न किया है। वह बार-बार बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट में बबीता फोगाट ने तंज कसते हुए लिखा-किसी को विधानसभा मिला किसी को मिला पद। दीदी तुमको कुछ न मिला हम समझ सकते है तुम्हारा दर्द। किताब बेचने के चक्कर में अपना ईमान बेच गई।

साक्षी मलिक ने आरोप लगाया था कि बबीता फोगाट के उकसाने पर ही पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया गया था। वह पर्दे के पीछे से आंदोलन को सपोर्ट कर रही थीं। साक्षी ने कहा था कि बबीता ने ही दिल्ली में प्रदर्शन की अनुमति दिलाई थी। वह इसके जरिये कुश्ती महासंघ की अध्यक्ष बनना चाहती थी। बबीता ने पलटवार करते हुए कहा कि साक्षी मलिक यह भी कह सकती हैं कि गंगा में मेडल फेंकने की योजना बबीता की थी। साक्षी को बताना चाहिए कि प्रियंका गांधी ने वहां किसके लिए खाना भेजा? उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उन्हें विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत किसने दी? पहलवानों के विरोध प्रदर्शन में दीपेंद्र हुड्डा क्या कर रहे थे? उन्हें अपनी किताब रिलीज करने के लिए भी बबीता के नाम की जरूरत थी। मुझे लगता है कि उन्हें मेरा नाम पसंद है। मेरे पास कोई पोस्ट नहीं है। मैंने वे सभी पोस्ट छोड़ दी हैं, जिनके बारे में वह बात कर रही हैं।इस बीच बबीता फोगाट की बहन गीता फोगाट ने भी साक्षी मलिक की आलोचना की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा-कई खिलाड़ी बबीता के नाम पर अपने एजेंडे, अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश करते रहते हैं। मैं उनको कहना चाहती हूं, बबीता ने कुश्ती में या राजनीति जो भी मुकाम हासिल किया है, वह अपनी मेहनत और ईमानदारी से। जहां पर कोई किसी तरह का पद मायने नहीं रखता। रही बात

अध्यक्ष बनने की तो सब जानते हैं कि अध्यक्ष बनने का लालच किसके अंदर था। सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं।

750 कारतूस के साथ पैसेंजर ट्रेन में पकड़ी गई युवती

बलिया । राजकीय रेलवे पुलिस ने बुधवार को वाराणसी से बिहार के छपरा जा रही एक पैसेंजर ट्रेन से मिर्जापुर की एक महिला को साढ़े सात सौ कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के बलिया थाना के प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस ने बुधवार पूर्वाह्न वाराणसी से बिहार के छपरा जा रही पैसेंजर ट्रेन (नंबर 05446) से बलिया रेलवे स्टेशन से मनिता सिंह (20) को साढ़े सात सौ कारतूस (315 बोर) के साथ गिरफ्तार किया और कारतूस ट्रॉली बैग में रखा हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया कि मनिता सिंह ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह कारतूस बिहार के छपरा लेकर जा रही थी। पुलिस के अनुसार गाजीपुर जिले के करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के अंकित कुमार पाण्डेय एवं रोशन यादव ने उसे इसकी आपूर्ति करने को कहा था। यह महिला मिर्जापुर के राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदीहार गांव की है। यादव ने बताया कि पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है तथा दो अन्य वांछितों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। बलिया रेलवे स्टेशन से एक माह के अंदर कारतूस बरामदगी की यह दूसरी घटना है। राजकीय रेलवे पुलिस ने 28 सितंबर को बलिया रेलवे स्टेशन से 825 अवैध कारतूस एवं देशी तमंचे बरामद किए थे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती को राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में दो साल तक मनाएगा केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश के प्रथम गृहमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के महान योगदान के सम्मान स्वरूप उनकी 150वीं जयंती को 2024 से 2026 तक राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में मनाएगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को एक्स पोस्ट में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्रों में से एक भारत के लोकतंत्र की स्थापना के पीछे एक विज़नरी के रूप में सरदार पटेल की स्थायी विरासत और कश्मीर से लक्षद्वीप तक भारत के एकीकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका अमिट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सरदार पटेल के महान योगदान के सम्मान स्वरूप उनकी 150वीं जयंती को 2024 से 2026 तक राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में मनाएगी। यह समारोह सरदार पटेल की उल्लेखनीय उपलब्धियों और एकता की भावना के प्रतीक का साक्षी होगा। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था। मोदी सरकार 2014 से 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाती आ रही है। पटेल को 550 से अधिक रियासतों को भारत संघ में विलय करने का श्रेय दिया जाता है।

पत्नी से विश्वासघात करना कानूनी अपराध : हाईकोर्ट

कोच्ची । केरल हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति ए बदरुद्दीन की एकल पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। पति ने अपनी पत्नी की सहमति के बिना पत्नी का सोना ज्वैलर के पास गिरवी रख दिया। पत्नी ने इसकी शिकायत की। केरल हाईकोर्ट ने इसे धारा 406 के तहत एक अपराध माना है। पत्नी की बिना सहमति से पति को यह अधिकार नहीं मिलता है, कि वह पत्नी की ज्वेलरी को गिरवी रख सके। अदालत ने विश्वासघात का दोषी मानते हुए पति को राहत देने से इनकार कर दिया है। पत्नी का आरोप था, उसने अपने जेवर पति को लाकर में रखने के लिए दिए थे। लेकिन पति ने पत्नी के जेवर एक निजी कंपनी में गिरवी रख दिए। पत्नी से ना तो सहमति ली ना ही इसकी जानकारी दी। पति ने जेवर गिरवी रखकर जो राशि हासिल की थी। उसका उपयोग अपने निजी कार्यों में किया। हाईकोर्ट ने पति को विश्वासघात करने का आरोपी माना है ।

वायु प्रदूषण से हर साल हो रहीं कोरोना से भी ज्यादा मौतें, लोग हैं अंजान

-एम्स दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। एम्स दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने चेतावनी दी है। यह चेतावनी उन्होंने प्रदूषण को लेकर दी है। ये कितना खतरनाक है, इसको लेकर गुलेरिया ने कहा है कि कोरोना महामारी की वजह से जितनी मौतें हुईं, उससे कहीं ज्यादा हर साल सिर्फ प्रदूषण से हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में 2021 में कहा गया है कि दुनिया में करीब 80 लाख लोगों की वायु प्रदूषण से मौत हुई है। यह कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों की संख्या से कहीं ज्यादा है। हम वायु प्रदूषण के बारे में चिंतित नहीं हैं। वायु प्रदूषाण कितना खतरनाक है, इसको लेकर उन्होंने कहा कि भारत के हालिया डेटा से पता चलता है कि पीएम 2.5 में केवल 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि मौत की दर को काफी ज्यादा बढ़ा देती है। यह सांस और हृदय संबंधी समस्याओं के कारण होता है। वायु प्रदूषण फेफड़ों में सूजन पैदा करता है। सांस संबंधी समस्या होती है। मरीज कई बार आईसीयू या वेंटिलेटर पर पहुंच जाता है और इससे मृत्यु दर बढ़ जाती है।

गुलेरिया ने कहा कि जो लोग हृदय रोगी है...यह प्रदूषण हृदय की वाहिकाओं में सूजन का कारण बनता है और इससे दिल का दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। सिर्फ हृदय और फेफड़ों की ही बात नहीं है, वायु प्रदूषण शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है क्योंकि वायु प्रदूषकों के ये सूक्ष्म कण 2.5 माइक्रोन से कम होते हैं। जब ये रसायन फेफड़ों से शरीर में जाते हैं, तो कई अंगों में जा सकते हैं, जिससे दीर्घकालिक प्रभाव वाली बीमारियां हो सकती हैं, जैसे डिमेंशिया, तंत्रिका संबंधी समस्याएं, मधुमेह, मेटाबोलिक सिंड्रोम, ये सभी वायु प्रदूषण से जुड़े हुए हैं। गुलेरिया की ये चेतावनी ऐसे समय दी है जब मानसून की विदाई के साथ ही देश में प्रदूषण वाला मौसम दस्तक दे चुका है। दिल्ली में तो एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 400 पार जा चुका है। इसका सीधा मतलब है कि हवा इतनी जहरीली हो गई है कि उसमें सांस लेना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही खतरनाक है।

चीन के साथ समझौते को लेकर देश को विश्वास में ले सरकार: कांग्रेस

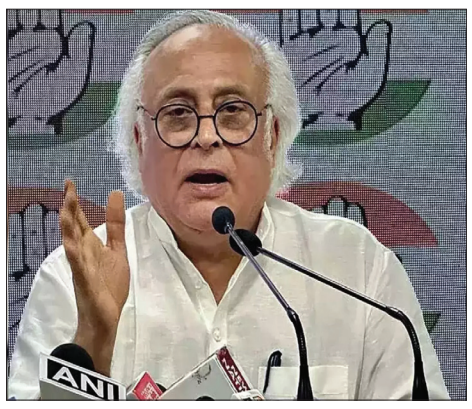

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ एक समझौता होने की घोषणा का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि इस विषय पर सरकार को देश को विश्वास में लेना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के दृष्टिकोण के कारण इस मामले के समाधान में अवरोध पैदा हुआ। भारत ने सोमवार को घोषणा की थी कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''मोदी सरकार की इस घोषणा को लेकर कई सवाल बने हुए हैं कि एलएसी पर गश्ती की व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौता हो गया है। विदेश सचिव ने कहा है कि इस समझौते से सैनिकों की वापसी हो रही है और इन क्षेत्रों में 2020 में पैदा हुए गतिरोध का अंततः समाधान हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम आशा करते हैं कि दशकों में भारत की विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों की वापसी से पहले वही स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी।''

रमेश ने दावा किया, ''यह दुखद गाथा पूरी तरह से चीन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नासमझी और भोलेपन का नतीजा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी की चीन ने तीन बार भव्य मेजबानी की थी। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने चीन की पांच आधिकारिक यात्राएं कीं और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ 18 बैठकें कीं। इसमें उनके 64वें जन्मदिन पर साबरमती के तट पर बेहद दोस्ताने अंदाज में झूला झूलना भी शामिल है।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत का पक्ष 19 जून, 2020 को तब सबसे अधिक कमजोर हुआ जब प्रधानमंत्री ने चीन को 'क्लीन चिट' देते हुए कहा था, ''ना कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है।''

रमेश ने दावा किया, ''यह बयान गलवान में हुई झड़प के चार दिन बाद ही दिया गया था, जिसमें हमारे 20 बहादुर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका यह बयान न सिर्फ हमारे शहीद सैनिकों का घोर अपमान था बल्कि इसने चीन की आक्रामकता को भी वैध ठहरा दिया। इसके कारण ही एलएसी पर गतिरोध के समय समाधान में बाधा उत्पन्न हुई।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे संकट पर मोदी सरकार के दृष्टिकोण को 'डीडीएलजे' यानी '' 'डिनाय' (इंकार करो), 'डिस्ट्रैक्ट' (ध्यान भटकाओ), 'लाय' (झूठ बोलो) और 'जस्टीफाई' (न्यायोचित ठहराओ) के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

रमेश ने यह भी कहा कि संसद को सीमा की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करने के लिए चर्चा करने का कोई अवसर नहीं दिया गया, जबकि पिछली सरकारों में इस तरह के गंभीर मुद्दों पर चर्चा और बहस की परंपरा रही है। उन्होंने कहा, ''अब जब चीन के साथ यह समझौता हुआ है तब सरकार को भारत के लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने चाहिए।''

रमेश ने सवाल किया, ''क्या भारतीय सैनिक डेपसांग में हमारी दावे वाली लाइन से लेकर 'बॉटलनेक जंक्शन' से आगे के पांच गश्ती बिंदुओं तक गश्त करने में सक्षम होंगे जैसा कि वे पहले करने में सक्षम थे? क्या हमारे सैनिक डेमचोक में उन तीन गश्ती बिंदु तक जा पाएंगे जो चार साल से अधिक समय से हमारे दायरे से बाहर हैं?'' उन्होंने यह भी पूछा, ''क्या हमारे सैनिक पैंगोंग त्सो में फिंगर तीन तक ही सीमित रहेंगे जबकि पहले वे फिंगर आठ तक जा सकते थे? क्या हमारे गश्ती दल को गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में उन तीन गश्ती बिंदु तक जाने की छूट है, जहां वे पहले जा सकते थे?'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''क्या भारतीय चरवाहों को एक बार फिर चुशुल में हेलमेट टॉप, मुक्पा रे, रेजांग ला, रिनचेन ला, टेबल टॉप और गुरुंग हिल में पारंपरिक चरागाहों तक जाने का अधिकार दिया जाएगा? क्या वे 'बफर जोन' जिन्हें हमारी सरकार ने चीनियों को सौंप दिए थे, जिसमें रेजांग ला में युद्ध नायक और मरणोपरांत परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह का स्मारक स्थल भी शामिल था, अब अतीत की बात हो गए हैं?''

रक्षा मंत्री अगले माह जाएंगे रूस, पहले स्टेल्थ फ्रिगेट तुशील को करेंगे कमीशन

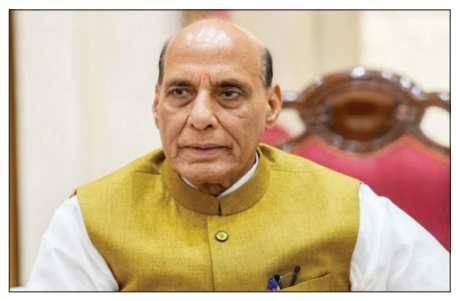

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस साल के अंत में दिसंबर महीने में रूस की यात्रा करेंगे। इसका उद्देश्य उनके द्वारा रूस के केलिंग्राद स्थित यानतर शिपयार्ड में भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे दो में से पहले स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील को बल के जंगी बेड़े में कमीशन कराना है। दोनों देशों के बीच ऐसे कुल चार युद्धपोतों को लेकर करीब 2.5 बिलियन डॉलर का एक अंतर सरकारी समझौता हुआ था। इनमें से दो रूस में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बनाए जा रहे हैं। मालूम हो कि रक्षा मंत्री की यह रूस यात्रा पीएम मोदी की रूस यात्रा के बाद होगी। सरकारी सूत्रों ने बताया कि पहले रक्षा मंत्री की रूस यात्रा नवंबर महीने में होनी थी। लेकिन मास्को के अनुरोध पर यात्रा कार्यक्रम को पुनर्निर्धारित किया गया है। अपनी रूस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री दोनों देशों के रक्षा संबंधों के मामले पर भी चर्चा करेंगे।

देरी से हो रही डिलीवरी

रूस के साथ 2018 में हुए समझौते के तहत दोनों युद्धपोतों को रूस द्वारा पहले भारत को वर्ष-2022 के अंत तक सौंपना था। लेकिन इसमें कोरोना महामारी और बाद में यूक्रेन युद्ध की वजह से पेमेंट सिस्टम की वजह से देरी हुई है। इस श्रेणी के दूसरे पोत तमाल की रूस द्वारा भारत को अगले साल की शुरुआत में डिलीवरी कर दी जाएगी। युद्ध के चलते एस-400 सिस्टम की आपूर्ति में भी देरी हो रही है। चार में से दो युद्धपोत रूस में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में मास्को के तकनीकी सहयोग से बनाए जा रहे हैं।

सांप्रदायिकता के खिलाफ मैं डटकर खड़ा रहूंगा: लालू प्रसाद यादव

-देश की मिट्टी में सबकी महक और आजादी में सबका योगदान

पटना (एजेंसी)। इस देश की मिट्टी में सबकी महक और आजादी में सबका योगदान है। मैं प्रत्येक व्यक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि जब तक मेरी सांस है, मैं बिहार को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने वाले हर व्यक्ति के सामने डट कर खड़ा रहूंगा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को कही। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर अररिया में रहना है तो हिन्दू बनना होगा। हिन्दू स्वाभिमान यात्रा के तहत कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी शिरकत की थी। इस बयान का एक वीडियो अब वायरल हो रहा है। पत्रकारों द्वारा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिन्दू स्वाभिमान यात्रा और सांसद प्रदीप कुमार सिंह के एक बयान से जुड़े प्रश्न के जवाब में राजद अध्यक्ष लालू यादव ने कहा कि गिरिराज सिंह के राज में और नीतीश कुमार के राज में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा, गिरिराज सिंह की आदत है, इसी तरह की बात बोलते रहता है। हिंदू-मुस्लिम सब रहेगा। दंगा फसाद कराने से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव ने सवालिया लहजे में कहा कि हम लोगों के रहते दंगा-फसाद कैसे करा देगा? तेजस्वी यादव कह रहे हैं अगर कुछ भी हुआ तो इसके जिम्मेदारी सीएम नीतीश कुमार हैं। इस पर लालू यादव ने कहा कि वह ठीक बोले हैं। इससे पहले बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सांसद प्रदीप सिंह के बयान को लेकर कहा था कि भाजपा के एक सांसद ने बिहार में माहौल बिगाड़ने के लिए भड़काऊ बयान दिया और आज ही उस सांसद को नीतीश कुमार ने अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया करा दी।

सुप्रीम कोर्ट आज तय करेगा- चुनाव में किसकी होगी घड़ी

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी अब दो गुटों में बंटी है। एक का नेतृत्व शरद पवार कर रहे हैं और दूसरे का उनके भतीजे अजीत पवार। दोनों नेताओं के बीच विवाद के चलते चुनाव आयोग ने आयोग ने एनसीपी का 'घड़ी' चुनाव चिह्न भी अजित पवार नीत गुट को आवंटित कर दिया था। 19 मार्च को शीर्ष अदालत ने शरद पवार गुट को अपने नाम के रूप में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी और उसे चुनाव चिह्न 'तुरहा बजाता व्यक्ति' आवंटित किया था। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने शरद पवार गुट की उस याचिका पर एक आदेश पारित किया था, जिसमें अजित पवार गुट को चुनाव में 'घड़ी' चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अजित पवार गुट राजनीतिक लाभ के लिए शरद पवार के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। अब एक बार फिर यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। याचिका में कहा गया है कि दोनों दलों को घड़ी चुनाव चिन्ह आवंटित नहीं किया जाना चाहिए। इस सुनवाई कर 24 अक्टूबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की उस याचिका पर 24 अक्टूबर को सुनवाई करेगी, जिसमें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 'घड़ी' चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ के समक्ष इस मामले की तत्काल सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया। मंगलवार को शरद पवार गुट की ओर से पेश वकील ने पीठ को सूचित किया कि मामला 22 अक्तूबर को ही सूचीबद्ध किया जाना था, लेकिन वाद-सूची में इसका जिक्र नहीं है। इसके बाद पीठ ने इसे 24 अक्तूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

पर्चा दाखिल कर चुके

अजित पवार गुट की पैरवी कर रहे वकील ने कहा कि पार्टी के कुछ उम्मीदवार विधानसभा चुनाव के लिए पर्चा दाखिल कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी गुट ने 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर कब्जा करने के लिए यह याचिका दायर की है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर 24 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। पीठ ने अजित गुट से तब तक जवाब देने को कहा है। दरअसल, शरद पवार ने निर्वाचन आयोग के 6 फरवरी के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है, जिसके तहत अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता दी गई थी।

सपा प्रमुख अखिलेश के जन्मदिन पर लगे पोस्ट से यूपी की राजनीति में हलचल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव का 23 अक्टूबर को अपना जन्म दिन मना रहे हैं। इस अवसरस पर लगे लखनऊ स्थित सपा कार्यालय के बाहर एक पोस्टर से राजनीति में हलचल मच गई है। यह पोस्टर संत कबीर नगर के सपा नेता जयराम पांडे द्वारा लगाया गया है, जिसमें अखिलेश यादव को 2027 में सत्ताईस का सत्ताधीश बताया गया है। पोस्टर में लिखा है-2024 में बरसा जनता का आशीष, दीवारों पर लिखा है, कौन होगा सत्ताईस का सत्ताधीश। पोस्टर में अखिलेश यादव को संस्कृत में शुभकामनाएं दी गई है लिखा है-तुम 100 साल जियो, तुम्हारा जीवन उद्देश्यपूर्ण और खुशियों से भरा रहे। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना गया है। यह पहली बार नहीं है जब सपा आफिस के बाहर लगे पोस्टर सुर्खियों में आए हैं। इससे पहले भी अखिलेश को देश का भावी पीएम और उनकी पत्नी डिंपल यादव को यूपी का मुख्यमंत्री बताने वाले पोस्टर लगाए जा चुके हैं। जयराम पांडे मेहंदावल विधानसभा सीट से सपा की टिकट के दावेदार हैं और उन्होंने यह पोस्टर अखिलेश यादव के समर्थन में लगवाया है, जो आगामी चुनावों में सपा की आकांक्षाओं को दर्शाता है।

संसद में वायनाड का एक नहीं, दो सांसद होंगे: राहुल गांधी

वायनाड (केरल), (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि वायनाड से उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के निर्वाचन के बाद यह देश का इकलौता ऐसा निर्वाचन क्षेत्र होगा जिसके संसद में एक नहीं, बल्कि दो सांसद होंगे।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य ने कहा कि वह वायनाड के अनौपचारिक रूप से सांसद बने रहेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि प्रियंका गांधी वायनाड से आधिकारिक सांसद होंगी, जबकि वह अनौपचारिक रूप से सांसद होंगे। प्रियंका गांधी के नामांकन के मद्देनजर निकाले गए रोड शो के बाद कलपेट्टा में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''एक संसद का आधिकारिक सदस्य है और दूसरा संसद का अनौपचारिक सदस्य है। दोनों वायनाड के लोगों की रक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे।''

वर्ष 2019 से 2024 तक वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राहुल गांधी का कहना था कि जैसे जिले के लोगों ने उनकी रक्षा की और उनका खयाल रखा, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, वैसे ही उन्हें उनकी बहन का भी खयाल रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मेरे हाथ में जो राखी है, वह मेरी बहन ने पहनाई है। जब तक वह टूट न जाए, मैं उसे नहीं उतारता। यह एक भाई द्वारा अपनी बहन की रक्षा करने का प्रतीक है। इसलिए मैं वायनाड के लोगों से मेरी बहन का खयाल रखने और रक्षा करने का अनुरोध करता हूं। वह अपनी पूरी ऊर्जा वायनाड की समस्याओं में और आपकी रक्षा में लगा देंगी।''उन्होंने आगे कहा कि वायनाड से ''अनौपचारिक सांसद'' होने के नाते वह यहां आते रहेंगे और लोगों को हो रही समस्याओं के समाधान को लेकर हस्तक्षेप करेंगे। राहुल गांधी ने आगे कहा कि वह अपनी बहन को एक या दो वाक्यों में परिभाषित कर सकते हैं।

काले हिरण को मारने के दोषी ठहराए गए सलमान बार बार कह रहे हैं मैंने नहीं मारा

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सलमान खान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे बार बार कह रहे हैं कि मैंने हिरण को नहीं मारा। जबकि इस मामले में सलमान खान को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उन्हें जल्दी ही जमानत मिल गई। सुनवाई के दौरान सलमान को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उन्होंने फिर से जमानत हासिल की। इस मामले के बाद से लॉरेंस बिश्नोई गैंग सलमान खान के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। अभिनेता को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसके चलते उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। खासकर बाबा सिद्दिकी की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वायरल वीडियो के बाद, नेटिजन्स ने सलमान खान के काले हिरण मामले में शामिल होने की सच्चाई पर चर्चा शुरू कर दी है। कई फैंस अभिनेता का बचाव करते हुए उन्हें निर्दोष बताते हैं और इस मामले की पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं। सलमान खान का यह मामला 26 सालों से चल रहा है, और अब तक इसे लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है। इस लंबी कानूनी लड़ाई ने न केवल सलमान के जीवन को प्रभावित किया है, बल्कि उनके करियर पर भी असर डाला है। हालांकि, सलमान खान का यह कहना कि उन्होंने काले हिरण को नहीं मारा, उनके फैंस के लिए उम्मीद की किरण बना हुआ है। उनके समर्थक मानते हैं कि सच्चाई अंततः सामने आएगी, और अभिनेता को न्याय मिलेगा। यह वीडियो साल 2008 का है और हाल ही में रेडिट पर साझा किया गया है। इस क्लिप में सलमान स्पष्ट रूप से कहते हैं, यह एक लंबी कहानी है और मैंने काले हिरण को नहीं मारा। सलमान खान के पिता, सलीम खान, ने भी हाल ही में इस मामले पर अपनी राय दी थी। उन्होंने कहा, वह एक कॉकरोच नहीं मार सकता, तो काला हिरण कैसे मार सकता है? उनका यह बयान इस बात पर जोर देता है कि अगर सलमान ने कुछ गलत नहीं किया है, तो माफी मांगने का कोई कारण नहीं है।

जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उत्तर-दक्षिण भारत में अपना-अपना राग

-उत्तर भारतीय कर रहे कानून की मांग तो दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्री जनसंख्या बढ़ाने पर दे रहे जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उत्तर-दक्षिण भारत में अलग-अलग राग अलाप रहे हैं। एक ओर जहां उत्तर भारतीय जनसंख्या नियंत्रण कानून लाये जाने की मांग कर रहे हैं तो दूसरी ओर दक्षिण भारत के दो राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी जनता को ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की बुजुर्ग होती आबादी को देखते हुए पिछले हफ्ते कहा था कि लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए कानून लाने की योजना भी बना रही है। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक पुराने आशीर्वाद का जिक्र करते हुए लोगों को 16 बच्चे पैदा करने की सलाह और शुभकामना दे डाली। दरअसल दोनों मुख्यमंत्री यह सलाह इसलिए दे रहे हैं क्योंकि जल्द ही देश में संसदीय सीटों का नये सिरे से परिसीमन होना है। इस परिसीमन के मुताबिक दस लाख लोगों की आबादी पर एक सांसद होगा।

राष्ट्रीय राजनीति उत्तर भारत पर केंद्रित होने का सता रहा डर

दक्षिणी राज्यों के नेताओं को परिसीमन के बाद राष्ट्रीय राजनीति पूरी तरह से उत्तर भारत पर केन्द्रित होने का डर सता रहा है। इसका कारण है कि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के मामले में तो बेहतरीन प्रदर्शन कर दिया लेकिन अब इसकी वजह से वहां प्रजनन दर कम हो गयी है जिससे उन्हें डर है कि यदि आबादी के लिहाज से संसदीय सीटों का निर्धारण हुआ तो देश की राष्ट्रीय राजनीति पूरी तरह उत्तर भारत केंद्रित हो जायेगी। दक्षिणी राज्यों की चिंता का बड़ा कारण जल्द ही होने वाला लोकसभा सीटों का परिसीमन भी है। यह कार्य जनगणना के तुरंत बाद होगा। हम आपको बता दें कि देश में वर्तमान में निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएँ जनसंख्या के अनुसार तय की जाती हैं। यदि जन्म दर स्थिर रहती है तो आंध्र प्रदेश में संसद सीटों की संख्या 25 से घटकर 20, कर्नाटक में 28 से 26, केरल में 20 से 14, तमिलनाडु में 39 से 30 और तेलंगाना में 17 से 15 तक हो जाने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर, उत्तर के राज्यों की जनसंख्या अधिक होने से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें संसद में बड़ी आवाज मिलेगी। इसके अलावा यदि संसद की सीटें बढ़ाने का फैसला होता है तो भी उत्तरी राज्यों को ही ज्यादा फायदा होगा क्योंकि दक्षिण में जनसंख्या अनुपात के हिसाब से कम सीटें आएंगी।

दो से ज्यादा बच्चे वाला व्यक्ति ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पायेगा

जहां तक मुख्यमंत्रियों के बयान की बात है तो आपको बता दें कि चंद्रबाबू नायडू ने तो यहां तक कह दिया है कि दो से ज्यादा बच्चे वाला व्यक्ति ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पायेगा। बताया जा रहा है कि पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भी ऐसा कानून लाने की मांग हो रही है ताकि लोग ज्यादा बच्चे पैदा करें।

दक्षिण भारत में बुजुर्ग आबादी बढ़ेगी

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) द्वारा तैयार इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में बुजुर्गों की आबादी अधिक है। रिपोर्ट कहती है कि 2021 और 2036 के बीच इन राज्यों में बुजुर्गों की दर में बहुत अधिक तेजी से वृद्धि होगी। माना जा रहा है कि केरल की जनसंख्या में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 2021 की 16.5 फीसदी से बढ़कर 2036 में 22.8 फीसदी हो जाएगी। तमिलनाडु में 13.7 फीसदी से बढ़कर 2036 में 20.8 फीसदी हो जाएगी, आंध्र प्रदेश में 2021 के 12.3 फीसदी से बढ़कर 2036 में 19 फीसदी हो जाएगी, कर्नाटक में बुजुर्गों की आबादी

11.5 फीसदी से बढ़कर 2036 में 17.2 फीसदी हो जाएगी और तेलंगाना में 2021 के 11 फीसदी से बढ़कर 2036 में 17.1 फीसदी हो जाएगी। 15 साल की इस अवधि में जनसंख्या में बुजुर्गों का अनुपात दक्षिण में 6-7 फीसदी बढ़ जाएगा जबकि उत्तर में यह लगभग 3-4 फीसदी होगा।

संक्षिप्त समाचार

घर में गोलीबारी में 5 लोगों की मौत, 15 वर्षीय युवक गिरफ्तार

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका में सिएटल शहर के दक्षिण-पूर्व में स्थित एक मकान के अंदर सोमवार सुबह हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक किशोर को हिरासत में लिया गया है। किंग काउंटी शेरिफ कार्यालय के प्रवक्ता माइक मेलिस ने सोमवार दोपहर पत्रकारों को बताया लोगों ने सुबह करीब पांच बजे पुलिस को फोन कर वाशिंगटन राज्य के फॉल सिटी में गोलीबारी की सूचना दी। मेलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने तुरंत एक किशोर को हिरासत में ले लिया, जबकि गोलीबारी में घायल अन्य किशोर को सिएटल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि मकान के अंदर घुसने पर पुलिस को पांच लोगों के शव मिले। इनमें से दो वयस्क और तीन किशोर थे। अब तक किसी के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। मेलिस ने कहा कि प्रतीत होता है कि गोलीबारी में एक ही परिवार के सदस्य शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना से समुदाय को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा, ''मामले में किसी और को गिरफ्तार करने का कोई कारण नजर नहीं आता।

रेडियो टावर से टकराने के बाद क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर, बच्चे समेत 4 लोगों की हुई मौत

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के ह्यूस्टन में एक हेलीकॉप्टर रविवार रात रेडियो टावर से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आर44 हेलीकॉप्टर ह्यूस्टन की एलिंगटन हवाई पट्टी से उड़ान भरने के बाद लगभग 15 मील की दूरी पर स्थित सेकंड वॉर्ड में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान और उम्र अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। दमकल विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अधिकारी दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। ह्यूस्टन शहर के काउंसिल सदस्य मारियो कास्टिलो ने बताया, सेकंड वॉर्ड में दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर सरकारी स्वामित्व वाला नहीं था, बल्कि इसका संचालन एक निजी पर्यटन कंपनी करती थी। हालांकि, कास्टिलो के दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकी है। स्थानीय में मीडिया में प्रकाशित खबरों में कहा गया है कि बड़ी संख्या में आपात कर्मी दुर्घटनास्थल की ओर जा रहे हैं। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल के पास रहने वाले लोगों से आग्रह किया है कि अगर उन्हें अपनी संपत्ति पर ऐसा कुछ भी मिले, जो उनकी जांच में मदद कर सके, तो वे उनसे संपर्क करें।

रूस ने यूक्रेन में उत्तर कोरियाई सैनिकों के इस्तेमाल पर स्पष्टीकरण देने से किया इनकार

सियोल, एजेंसी। रूस ने सोमवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया के साथ अपना सहयोग जारी रखेगा, लेकिन इन आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि वह यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियानों में उत्तर कोरियाई सैनिकों का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों के कथित प्रेषण और उनका उपयोग करने की संभावित योजना के बारे में पूछे जाने पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा, इसमें बहुत सारी विरोधाभासी जानकारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे सवाल रक्षा मंत्रालय से पूछे जाने चाहिए। शुक्रवार को दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने कहा कि उत्तर ने यूक्रेन में युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए लगभग 12,000 सैनिकों को भेजने का फैसला किया है। लगभग 1,500 सैनिकों को रूसी नौसैनिक जहाजों से रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक में पहले ही भेजा जा चुका है। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने अगले दिन संवाददाताओं से कहा कि वह सेना की तैनाती की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन अगर यह सच है, तो यह चिंताजनक होगा। उत्तर कोरिया के साथ रूस के संबंधों पर पेसकोव ने कहा कि प्योंगयांग एक करीबी पड़ोसी और भागीदार है, और क्रेमलिन सभी क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ संबंध विकसित करना जारी रखेगा, क्योंकि यह उनका संप्रभु अधिकार है।

यात्री नौका पलटने से आठ लोगों की मौत, 18 लापता

यांगून , एजेंसी। दक्षिणी म्यांमार में एक यात्री नौका पलट गई। इस हादसे में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 18 लोग लापता बताए जा रहे हैं। मायिक अग्निशमन सेवा विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि 11 घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि दुर्घटना रविवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 9:15 बजे तनिन्थयी क्षेत्र में मायिक जिले के पलाव कस्बे में हुई।

नए सर्वे में अहम राज्यों में कमला हैरिस को पछाड़ रहे हैं ट्रंप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। 5 नवंबर को अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अब गहमा-गहमी बढ़ गई है। इस बीच सभी की निगाहें स्विंग स्टेट यानी अमेरिका के ऐसे राज्यों पर टिकी हैं जिनके नतीजे हर बार बदलते हैं और इनके वोटर्स चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक सात स्विंग स्टेट और यहां के 77 चुनावी वोट ही संभवतः अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को निर्धारित करेंगे। वोटिंग से ठीक पहले नए सर्वे के मुताबिक रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप कमला हैरिस को मिली बढ़त को बराबरी पर लाते नजर आ रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रहीं कमला हैरिस शुरुआत में स्विंग राज्यों में ट्रम्प से आगे रहीं। हालांकि नए सर्वे के नतीजे इसके उलट हैं जहां ट्रंप ने ना सिर्फ बराबरी की है बल्कि कुछ राज्यों में हैरिस को पीछे भी छोड़ा है। सात स्विंग स्टेट की बात की जाए तो इनमें जॉर्जिया, पेंसिल्वेनिया, नेवादा, उत्तरी कैरोलिना, मिशिगन, एरिज़ोना और विस्कॉन्सिन शामिल हैं। स्विंग स्टेट डेमोक्रेट और रिपब्लिकन किसी के साथ भी जा सकते हैं। इसके उलट कुछ ऐसे राज्य भी हैं जिन्हें रिपब्लिकन या डेमोक्रेट का गढ़ माना जाता है। सात स्विंग राज्यों में कुल मिलाकर 77 चुनावी वोट हैं। राष्ट्रपति पद जीतने के लिए कमला हैरिस को 44 वोटों की जरूरत होगी वहीं डोनाल्ड ट्रम्प को 51 वोट की आवश्यकता होगी।

क्या कहते हैं आंकड़े : न्यू यॉर्क टाइम्स के मतदान औसत के नए अपडेट के मुताबिक ट्रम्प एरिज़ोना में 2 अंक और जॉर्जिया में 1 अंक से आगे हैं। बाकी पांच राज्यों में मुकाबला करीबी है। वाशिंगटन पोस्ट के सर्वे में परिणाम हैरिस के पक्ष में झुका हुआ है। इनमें हैरिस पेंसिल्वेनिया (2 अंक), मिशिगन (2 अंक) और विस्कॉन्सिन (2 अंक) में आगे चल रही हैं। पोलस्टार नैट सिल्वर के मुताबिक एरिजोना और जॉर्जिया में ट्रम्प मामूली बढ़त बनाते नजर आ रहे हैं। पोलिंग एग्रीगेटर रीक्लियरपॉलिटिक्स के मुताबिक सभी स्विंग राज्यों में ट्रम्प बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि यह मार्जिन अभी बहुत कम है। कुछ दूसरे सोर्स भी इस बात के अहम संकेत देते हैं कि अमेरिकी चुनाव कौन जीत सकता है। जिनमें पॉली मार्केट का नाम शामिल है। नए पॉली मार्केट नंबरों के अनुसार ट्रम्प कई जगह बढ़त बनाए हुए हैं। निर्णायक चुनाव से पहले जॉर्जिया जैसे कुछ राज्यों में प्रारंभिक मतदान शुरू हो गया है और मतदान के आंकड़ों का प्रयोग अक्सर यह विश्लेषण करने के लिए किया जाता है कि यह किसके पक्ष में है। यूएसए टुडे और सफ़ोक यूनिवर्सिटी द्वारा जारी किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार कमला हैरिस उन लोगों में 34 से 63 प्रतिशत आगे थीं जिन्होंने पहले ही मतदान कर दिया था। हालांकि चुनाव के शुरुआती मतदान के आंकड़े कभी भी पूरी तस्वीर नहीं दिखाते हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने यूपीआई भुगतान सेवा शुरू करने के लिए उठाए ''आवश्यक कदम''

माले, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने द्वीपसमूह देश में भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) को पेश करने के लिए '' आवश्यक कदम '' उठाए हैं, जिससे मालदीव की अर्थव्यवस्था को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा विकसित यूपीआई मोबाइल फोन के जरिये अंतर-बैंक लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए एक त्वरित वास्तविक समय भुगतान प्रणाली है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुइज्जू ने देश में यूपीआई शुरू करने के लिए रविवार को एक संघ का गठन किया। ट्रेडनेट मालदीव कॉर्पोरेशन लिमिटेड को इसकी अग्रणी एजेंसी नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने संघ में देश के बैंक, दूरसंचार कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों की भागीदारी का भी सुझाव दिया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि उन्होंने मंत्रिमंडल की सिफारिश पर '' आवश्यक कदम उठाने का निर्णय लिया।'' इसमें कहा गया, '' इस कदम से मालदीव की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसमें वित्तीय समावेश में वृद्धि, वित्तीय लेनदेन में बेहतर दक्षता और डिजिटल बुनियादी ढांचे में वृद्धि शामिल है।

भीषण ट्रेन हादसा-दो ट्रेनें एक ही पटरी पर आमने-सामने आकर टकराई... यात्रियों के बीच अफरा-तफरी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के वेल्स के ललनब्रीनमेयर में सोमवार को एक भीषण ट्रेन हादसा हुआ जब दो ट्रेनें एक ही पटरी पर आमने-सामने आकर टकरा गईं। इस दुर्घटना के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद ड्राइवर बेहोश हो गया और एक यात्री को दिल का दौरा पड़ गया, जबकि तीन अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड, और एयर एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

यह हादसा भारतीय समयानुसार सोमवार शाम साढ़े 7 बजे के करीब हुआ। श्रेसबरी से एबरिस्टविथ जाने वाली ट्रेन और मैकिनलेथ से श्रेसबरी की ओर आ रही ट्रेन अचानक एक ही ट्रैक पर आमने-सामने आ गईं। जोरदार टक्कर के बाद ड्राइवर के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गया। एक यात्री को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत अब स्थिर है। पुलिस और एंबुलेंस के साथ-साथ एक एयर एंबुलेंस भी मौके पर भेजी गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालकर तुरंत इलाज के लिए भेजा गया। टक्कर के कारण ट्रेन के कोच लॉक हो गए थे, जिससे बचाव कार्य में कठिनाई आई। हेलीकॉप्टर की मदद से घायलों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे के कारण एबरिस्टविथ और श्रेसबरी के बीच ट्रेनों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई। रेलवे इंजीनियरों की टीम ने मौके पर पहुंचकर हादसे के कारणों की जांच शुरू की है। वेल्स प्रशासन ने हादसे की विस्तृत जांच रिपोर्ट की मांग की है और क्षतिग्रस्त ट्रैक और ट्रेनों की मरम्मत का काम भी जारी है।

इजरायल बहुत जल्द ईरान के खिलाफ जवाबी हमला करेगा!

यरुशलम, एजेंसी। इजइजरायली सरकार के मंत्रियों ने सोमवार को बताया कि ईरान के खिलाफ काउंटर अटैक बहुत जल्द किया जाएगा। यह जानकारी इजरायल की राष्ट्रीय मीडिया की तरफ से दी गई। ईरान ने तेहरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह और बेरुत में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की हत्या का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजरायल पर 180 बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था। इसके बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर जवाबी हमला करने की कसम खाई थी। हालांकि हमलों की तारीख को गुप्त रखा गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने इजरायल के सरकारी कान टीवी का हवाला देते हुए बताया कि रविवार को इजरायल के कैबिनेट मंत्रियों ने एक कैबिनेट की मीटिंग में बताया कि इजरायल का पलटवार वाला हमला जल्दी ही किया जाएगा। यह हमला बहुत ही महत्वपूर्ण जगहों पर किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को इस मीटिंग के कई घंटों बाद तब सामने आई जब अमेरिकी लॉयड ऑस्टिन ने अमेरिकी अग्रिम पंक्ति के एयर डिफेंस सिस्टम थाड को इजरायल में डिप्लॉय करने की घोषणा की। इस टर्मिनल हाई एयर डिफेंस (थाड) सिस्टम के साथ अतिरिक्त 100 सैनिकों की तैनाती भी की गई है, जो इसका संचालन करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने ईरान के परमाणु ठिकानों और ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति बोले- शेख हसीना ने दो फोन किए पर इस्तीफा सौंपे बिना भारत भागीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को देश छोड़े तीन महीने होने वाले हैं, लेकिन उन्हें लेकर बांग्लादेश में गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। हसीना बांग्लादेश छोड़ने के बाद से भारत की शरण में हैं। बांग्लादेश सरकार ने उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करवा दिया है और उनके खिलाफ 100 से अधिक मामले भी दर्ज हैं। हसीना के खिलाफ कोर्ट की कार्यवाही का प्रसारण पूरा देश लाइव देखेगा। इस बीच बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन का कहना है कि देश छोड़ने से पहले हसीना ने मुझे दो फोन जरूर किए, लेकिन इस्तीफा नहीं सौंपा, शायद उनके पास समय नहीं था। हमारे पास हसीना के इस्तीफा से जुड़ा कोई भी सबूत नहीं है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने यह बयान सोमवार को बांग्ला दैनिक मनाब जमीन के साथ इंटरव्यू के दौरान दिया। अखबार ने शहाबुद्दीन के हवाले से कहा कि मैंने सुना है कि हसीना ने बांग्लादेश से भागने से पहले पीएम पद से इस्तीफा दिया था, लेकिन हमारे पास ऐसा कोई सबूत नहीं है। हसीना के 5 अगस्त को भारत भाग जाने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता 84 वर्षीय मुहम्मद यूनुस को 8 अगस्त को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाया गया। राष्ट्रपति ने कहा, कई प्रयासों के बावजूद, वह कोई दस्तावेज़ ढूंढने में असफल रहे। शहाबुद्दीन ने कहा, शायद उनके पास समय नहीं था। 5 अगस्त की घटना के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सुबह करीब

10:30 बजे हसीना के आवास से फोन आया और बताया गया कि हसीना उनसे मिलेंगी। राष्ट्रपति ने आगे कहा, यह सुनकर, तैयारी शुरू हो गई। एक घंटे के भीतर एक और कॉल आई, जिसमें कहा गया कि वह नहीं आ रही हैं।

टीवी पर सुना हसीना देश छोड़कर भाग गईं : उन्होंने आगे कहा, उस समय हर जगह अशांति फैली थी। मैंने अपने सैन्य सचिव जनरल आदिल (मेजर जनरल मोहम्मद आदिल चौधरी) से इस पर गौर करने के लिए कहा। उनके पास भी कोई जानकारी नहीं थी। हम इंतजार कर रहे थे और टीवी देख रहे थे। टीवी से पता लगा कि वह (हसीना) मुझे बताए बिना देश छोड़कर चली गई हैं। शहाबुद्दीन ने आगे कहा, जब सेना प्रमुख, जनरल वेकर बंगभवन आए, तो मैंने यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या प्रधान मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। जवाब वही था- उन्होंने भी सुना था कि उसने इस्तीफा दे दिया है लेकिन शायद हमें सूचित करने का समय नहीं मिला होगा। जब अब सब कुछ नियंत्रण में है तो एक दिन कैबिनेट सचिव हसीना के त्याग पत्र की एक प्रति लेने आये। मैंने उनसे कहा कि मैं भी इसे ढूंढ रहा हूं। उन्होंने कहा कि अब इस पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है। हसीना चली गई है और यही सच है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में भाषण दे रहे ब्रिटिश किंग चार्ल्स पर चिल्लाई महिला सांसद, बोलीं-आप हमारे राजा नहीं... हत्यारे हैं

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की संसद में किंग चार्ल्स के भाषण के दौरान हुई घटना ने एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और राजनीतिक विमर्श को उजागर किया है। ब्रिटेन के राजा के रूप में किंग चार्ल्स की यह पहली ऑस्ट्रेलियाई यात्रा थी, और इस अवसर पर उन्होंने संसद के ग्रेट हॉल में सांसदों और सीनेटरों को संबोधित किया। हालांकि, इस समारोह के दौरान एक अप्रत्याशित मोड़ आया, जब स्वतंत्र सीनेटर लिडिया थोर्प ने उनके भाषण समाप्त होने के तुरंत बाद किंग चार्ल्स के खिलाफ जोर से विरोध प्रकट करना शुरू किया। लिडिया थोर्प, जो स्वयं एक स्वदेशी ऑस्ट्रेलियाई हैं, ने किंग चार्ल्स को चुनौती देते हुए कहा, आप मेरे राजा नहीं हैं, और साथ ही ये भी बताया कि उन्हें उनकी जमीन वापस करनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें हमारी जमीन लौटाएं। उन्होंने अपने भाषण में यह भी बताया कि कैसे ब्रिटेन के राजशाही ने स्वदेशी लोगों के साथ अत्याचार और हमारे लोगों का नरसंहार किया है। यह विरोध न केवल व्यक्तिगत अनुभवों की अभिव्यक्ति था, बल्कि यहऑस्ट्रेलियाई स्वदेशी समुदायों के खिलाफ ऐतिहासिक अत्याचारों की ओर

ध्यान आकर्षित करने का प्रयास भी था। थोर्प ने आगे कहा, आपने हमारी जमीनें बर्बाद कर दी हैं, और उनसे यह आग्रह किया कि वे स्वदेशी लोगों के लिए एक संधि बनाएँ। उनका यह कटाक्ष, ऑस्ट्रेलिया के स्वदेशी लोगों के अधिकारों की बहाली का एक महत्वपूर्ण आह्वान था, जो स्पष्ट करता है कि ब्रिटिश कब्जे के दौरान वहां के मूल निवासियों के अस्तित्व पर कितना असर पड़ा है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में, ब्रिटेन से आए बाशिंदों ने लगभग 200 वर्षों तक स्वदेशी लोगों के खिलाफ हिंसा का सहारा लिया। इस अवधि में सैकड़ों मूलनिवासियों का नरसंहार हुआ, और यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। आज भी, ऑस्ट्रेलिया में स्वदेशी समुदायों को नस्लवाद, भेदभाव और सामाजिक असमानताओं का सामना करना पड़ता है। आधुनिक ऑस्ट्रेलिया में, जहां किंग चार्ल्स राजनैतिक प्रणाली का एक भाग हैं, के लिए यह घटना राजनीतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। थोर्प ने पहले भी कहा है कि उन्हें उपनिवेशवादी महारानी जैसे शब्दों का उपयोग करने में यकीन है, जो इस बात को दिखाता है कि वह राजशाही की नीतियों के प्रति कितनी सख्त हैं।

पाकिस्तान में एक युवक ने अपनी मां और बहन सहित परिवार की 4 महिला सदस्यों की कर दी हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक युवक ने अपनी मां और बहन सहित परिवार की 4 महिला सदस्यों की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी को यह पसंद नहीं था कि महिलाएं उदार जीवनशैली जीएं और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करें। पुलिस ने बताया कि बिलाल अहमद को गिरफ्तार किया गया था और सोमवार को अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया। सुनवाई के दौरान बिलाल ने कोर्ट को बताया कि उसने अपनी मां, बहन, भतीजी और भाभी का गला रेत दिया। उनकी उदार जीवनशैली ने उसकी शादीशुदा जिंदगी तबाह कर दी थी और वे हमेशा उसे ताने भी मारती थीं।

मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी शौकत अवान ने कहा, 'यह बिलाल के मानसिक रूप से अस्थिर और अति-रूढ़िवादी होने का स्पष्ट मामला है।' चारों महिलाओं के शव शनिवार को कराची के पुराने सोल्जर बाजार इलाके में उनके अपार्टमेंट में मिले थे। अवान ने कहा, जांच के दौरान पता चला कि बिलाल का इन महिलाओं के साथ रोजाना झगड़ा होता था। वह अपनी पत्नी के उसे छोड़कर चले जाने के लिए उन्हें और उनकी उदार जीवनशैली को दोषी मानता था, क्योंकि वह एक धार्मिक महिला थी।'

सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो करती थीं पोस्ट : पुलिस अधिकारी ने बताया,

बिलाल अहमद को चारों महिलाओं के सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने पर भी आपत्ति थी। वह अपनी बहन और भतीजी से इस बात को लेकर नाराज था कि सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती थीं।' बिलाल ने पुलिस को बताया कि वह शुरू में केवल अपनी बहन को सबक सिखाना चाहता था, लेकिन बाद में उसे एहसास हुआ कि वह किसी भी चश्मदीद को जिंदा नहीं छोड़ सकता। इसलिए उसने चारों महिलाओं की हत्या कर दी। उसे यह भी लगता था कि इन महिलाओं की हत्या कर देने से उसकी पत्नी वापस घर आ जाएगी। पुलिस अब आरोपी की पत्नी के पूछताछ करने की तैयारी में है।

ईरान के लिए जासूसी करने वाले सात इजराइली नागरिक गिरफ्तार

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में 7 इजराइली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन पर आरोप है कि उन्होंने ईरान के लिए 2 साल तक जासूसी की और उनके लिए सैकड़ों काम किए। इजराइल पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह सबसे गंभीर मामलों में से एक है। इसके लिए उन्हें मौत की सजा हो सकती है। ये सभी आरोपी हाइफा या फिर उत्तरी इजराइल के रहने वाले हैं। इसमें से एक सैनिक भी शामिल है, जो कुछ साल पहले सेना छोड़कर भाग गया था। इसके अलावा आरोपियों में 16-17 साल के 2 नाबालिग भी हैं। इनकी पहचान जाहिर नहीं की गई है। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने दो साल में करीब 600 मिशन पूरे किए। उनका कहना है कि आरोपी पैसे के लालच में ईरान के लिए खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहे थे। इन्होंने इजराइल के सैन्य ठिकानों से लेकर परमाणु हथियार, गोला-बारूद की जानकारी ईरान को दी है। इनकी दी गई जानकारी पर ईरान ने इजराइल में कई जगहों पर हमले भी किए।

आयरन डोम और परमाणु प्लांट की जानकारी जुटाई संदिग्धों पर तेल अवीव में रक्षा मुख्यालय और नेवातिम और रमत डेविड एयरपोर्ट समेत आईएफडी ठिकानों की तस्वीरें लेने और जानकारी इकट्ठा करने का आरोप है। इन जगहों पर हिजबुल्लाह और ईरान हमले कर चुका है। नेवातिम बेस पर ईरान ने 1 अक्टूबर को दो मिसाइल दागी थीं। वही, रमत डेविड पर हिजबुल्लाह हमला कर चुका है। इजराइली चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक एक बार संदिग्धों ने गैलिली में गुब्बारे से मिलिट्री बेस के ठिकानों की

तस्वीरें खीचीं थीं। इस जगह पर लगभग एक महीने बाद अक्टूबर की शुरुआत में हिजबुल्लाह का मिसाइल हमला हुआ था। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने आयरन डोम, पोर्ट्स, वायु सेना, जल सेना और हेडेरा पावर प्लांट जैसे जगहों की भी जानकारी जुटाई थी। इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि हमने आरोपियों द्वारा ईरानी एजेंटों के लिए जुटाई गई चीजें जब्त कर ली हैं। इनमें तस्वीरें और वीडियो शामिल हैं। तुर्की के मीडिएटर के संपर्क में थे संदिग्ध, उसी ने ईरान को दी जानकारी इजराइली पुलिस ने कहा कि सभी आरोपी 2 साल तक तुर्की के एक मीडिएटर के संपर्क में थे। उन्होंने सारी खुफिया जानकारी उसी के हवाले से ईरान तक पहुंचाई। आरोपियों को पता था कि उन्होंने जो खुफिया जानकारी दी है।

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए।

(लेखक- ललित गर्ग)

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे।

लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरूद्ध करती है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।

कश्मीर में लम्बे समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं।

क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहुलियतभरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेन्स को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेन्स को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपतिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं।

सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह एवं शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा।

इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए।

जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया कि घाटी में लोकतंत्र महके, ना कि दहके। यह जनादेश आतंकवाद और अलगाववाद से मुक्ति की चाहत का परिणाम है। राज्य की जनता ने अपनी उम्मीदों को लेकर सरकार चुनी और नैशनल कांफ्रेंस पर भरोसा जताया। नई सरकार के सामने जनता की उम्मीदों को पूरा करने की चुनौती तो है ही, सबसे बड़ी चुनौती तो आतंकवाद को जड़ से खत्म करना और ऐसा वातावरण सृजित करना है जिसमें आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और इस क्षेत्र में विकास की धारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चले।

संपादकीय

गांदरबल का जख्म

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के लिए शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न होने के बाद निर्वाचित सरकार की ताजपोशी का जश्न अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि गांदरबल में आतंकियों ने कहर बरपा दिया। गांदरबल में हुए आतंकी हमले में एक सुरंग निर्माण स्थल पर काम करने वाले छह श्रमिकों और एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई। इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि पाकिस्तान भारत, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन को नुकसान पहुंचाने की लगातार कोशिश करता रहेगा। चाहे कुछ भी हो, वह अपनी नापाक नीति से बाज नहीं आने वाला। यह कम चिंताजनक बात नहीं कि यह हमला इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच अनौपचारिक बातचीत के कुछ ही दिन बाद हुआ है। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के लोगों ने उत्साहपूर्वक मतदान करके लोकतंत्र और शांति-विकास में अपनी गहरे विश्वास को अभिव्यक्त किया था। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों ने शांतिपूर्ण मतदान व केंद्रशासित प्रदेश में सरकार बनने के बाद अपनी सतर्कता शायद कुछ कम कर दी होगी। कुछ महीनों पहले जम्मू क्षेत्र को लगातार हिंसा का शिकार बनाने वाले आतंकवादियों ने रणनीति बदलकर कश्मीर को फिर से निशाने पर ले लिया है। इन खतरनाक मंसूबों से आतंकवादियों ने सरकार व सुरक्षाबलों को चौंकाया है। इसमें दो राय नहीं कि आतंकवादियों ने यह साजिश सुनियोजित ढंग से की है। जहां इस हमले का मकसद एक बुनियादी ढांचा परियोजना को बाधित करके घाटी के विकास को बाधित करना है, वहीं अन्य राज्यों से आए श्रमिकों की हत्या करके भारतीय संघवाद के ढांचे पर भी चोट करना भी है। ताकि अन्य राज्यों के श्रमिक डर के कारण घाटी न आ सकें। ऐसे हालात में केंद्र तथा केंद्रशासित प्रदेश की सरकार को शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिये मिलकर कार्य करने की जरूरत है। निश्चित रूप से केंद्रशासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले पर्यटकों और प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करना जरूरी है। यह नई बात नहीं है कि भारत पाकिस्तान को बार-बार आगाह करता रहा है ताकि वह आग से खेलने का काम न करे। बार-बार स्पष्ट किया गया है कि जब तक इस्लामाबाद तथा रावलपिंडी आतंकवदियों को भेजना व मदद करना बंद नहीं करते, तब तक द्विपक्षीय वार्ता शुरू नहीं की जा सकती। हाल ही में एससीओ में दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद आस जगी थी कि दोनों के रिश्तों में लंबे समय से जमी बर्फ अब पिघलेगी। लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने लगभग एक दशक बाद किसी भारतीय विदेश मंत्री की मेजबानी से प्राप्त होने वाले लाभ की संभावना को जल्द ही गंवा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पिछले दिनों यह कहते हुए सुना गया था कि 'हमने पिछले 75 साल खो दिए हैं और यह महत्वपूर्ण होगा कि हम अगले 75 साल न खोएं।' हालांकि यह भी टकसाली सत्य है कि जब तक शरीफ बंधु पाकिस्तानी सेना को भारत में परेशानी पैदा करने से रोकने में असहाय रहेंगे, तब तक दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना मुश्किल ही नजर आएगी। ऐसे में केंद्र व नवनिर्वाचित सरकार को सुरक्षा बलों के साथ आतंकवाद की इस नई चुनौती के खात्मे के लिये नई रणनीति पर काम करना होगा। वैसे कुछ समय पूर्व तक सुरक्षा बलों की सुनियोजित कार्रवाई में जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण आतंकवादियों के हौसले पस्त हो गए थे।

संतान की मंगलकामना का पर्व है अहोई अष्टमी

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

अहोई अष्टमी (24 अक्तूबर) पर विशेष

भारत में हिन्दू समुदाय में करवा चौथ के चार दिन पश्चात् और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। 'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 24 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना। चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा।

साहूकार दम्पति ने हाथ जोड़कर कहा, ''हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।''

''तथास्तु!'' कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे।

देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

भय को पहचानो

बहुत तरह के मानसिक भय हमें चारों तरफ से दबाए हुए हैं।उन्हें हमें पहचान लेना पड़ेगा।उन्हें हम बिना पहचाने छोड़ भी न सकेंगे।जिस भय को हम पहचान लेंगे, वह छूट जाएगा।लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते, नये-नये नाम दे देते हैं।और नाम धोखे के हैं।हम इतनी ज्यादा चालाकी में जिए हैं हजारों वर्षो में कि चीजों पर ठीक-ठीक नाम नहीं रहने दिये। हर डिब्बे पर नाम बदल दिया है। अंदर कुछ और है, ऊपर नाम कुछ और है।इसलिए खोज भी बहुत मुश्किल हो गई है कि कौन सी चीज कहां है। एक आदमी को हम कहते हैं- यह बहुत अच्छा आदमी है। और सौ अच्छे आदमियों में से अठानवे अच्छे आदमी अच्छे नहीं होते।सिर्फ डरे हुए लोग होते हैं और डर की वजह से अच्छे मालूम होते हैं।

मैं कहता हूं, मैं कभी चोरी नहीं करता।लेकिन अगर थोड़ी जांच-पड़ताल करूं तो पता चलेगा कि चोरी तो मैं भी करना चाहता हूं, लेकिन भय मुझे रोक लेता है।तब मैं अच्छा आदमी नहीं हूं, भयभीत आदमी हूं।लेकिन हम लेबल बदल देंगे। हमें पता ही नहीं चलता।एक आदमी कहता है, मैं बिल्कुल ईमानदार आदमी हूं। उसे थोड़ी जांच-पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि वह बेईमान है और भयभीत है। यानी बेईमान भय, ईमानदार आदमी हो गया।लेकिन क्या यह ईमानदार की परिभाषा हुई? अगर कल उसे पता चल जाए कि एक दिन के लिए सब कानून उठा लिए गये और सब पुलिसवालों को छुट्टी दे दी गई और एक दिन के लिए कोई अदालत नहीं है, तब उसकी सारी ईमानदारी चली गई।यानी वह अब ईमानदार नहीं है। अच्छा आदमी इसीलिए कमजोर है।अक्सर ऐसा होता है कि अच्छा आदमी कमजोरी की वजह से अच्छा आदमी होता है।

और इससे उल्टा भी होता है कि बुरा आदमी अक्सर ताकत की वजह से बुरा हो जाता है।घर में एक बच्चा बिल्कुल गोबर गणोश हो तो मां-बाप कहेंगे-बहुत आज्ञाकारी है और दूसरा थोड़ा शक्तिशाली हो, तो कहेंगे- आज्ञा का उल्लंघन करता है, कहना मानता ही नहीं।लेकिन समझना जरूरी है कि गोबर-गणोश होना अच्छा होना नहीं है।हमने लेबल बदल कर लगाए हुए हैं। इसलिए जहां भय हैं वहां भी हम पकड़ नहीं पाते कि यह भय है।जहां हिंसा है, हिंसा पकड़ में नहीं आती।जहां घृणा है, घृणा पकड़ में नहीं आती।जहां प्रेम नहीं है, वहां पकड़ में नहीं आता।सब तरफ धोखा हो गया है।आदमी ने अपने भीतर की जो व्यवस्था की है, उसमें सब जगह गलत नाम लगा दिये हैं।

विचार मंथन

एआई का स्वत्वाधिकार निजी हाथों में होने से आम नागरिकों का आर्थिक और बौद्धिक शोषण

(लेखक - सनत जैन)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में निजी कंपनियों के बढ़ते प्रभुत्व ने आम लोगों के लिए नई चुनौतियाँ उत्पन्न कर दी हैं। यह तकनीकी मानव जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकसित की गई है। वहीं इस तकनीकी के माध्यम से मुनाफा कमाने के लिए बड़े-बड़े पूंजीपतियों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे समाज को लाभ कम और नुकसान ज्यादा होने जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, एआई आधारित कंपनियों ने तकनीकी विकास में अपार सफलताएँ हासिल की हैं। इस प्रक्रिया में उन्होंने नए शोध और नवाचारों के माध्यम से समाज की सभी आवश्यकताओं को मशीनों के माध्यम से प्रस्तुत करने का जो काम किया जा रहा है, इसके परिणाम स्वरूप एक नया संकट पैदा हो गया है। विज्ञान एवं तकनीकी, विश्व की महत्वपूर्ण जानकारी पर कुछ ही कंपनियों और व्यक्तियों के हाथों तक सीमित रहेगा। इसका नतीजा यह होता है कि आम जनता को इन तकनीकों के लाभ लेने के लिए इन पर निर्भर हो जाना पड़ता है। मोनोपाली बनाकर यह अपने उपभोक्ता का शोषण करने लगते हैं। निजी कंपनियों का ध्यान केवल अपने अधिक से अधिक लाभ कमाने पर केंद्रित होता है। इसलिए वह किए गए शोध एवं प्रोग्रामिंग तकनीकी के नवाचारों का पेटेंट करवा कर अपने उपभोक्ताओं का जमकर आर्थिक शोषण करती हैं। इसका परिणाम यह होता है, कि आमजनता को इन तकनीकों तक पहुँचने के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। आम लोग इनके ऊपर निर्भर हो जाते हैं। निजी कंपनियाँ सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों के विज्ञान एवं शोध परियोजनाओं के बजट में कटौती की वकालत करती हैं, जिसके कारण शोध का काम खत्म होता चला जाता है। मानवीय बौद्धिक क्षमता धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। आगे पाठ और पीछे सपाट का एक नया क्रम सारी दुनिया में शुरू हो गया है। पिछले दो दशकों में सार्वजनिक हित में किए जाने वाले अनुसंधान प्रभावित हुए हैं। वर्तमान स्थिति में आवश्यक है, कि विज्ञान और एआई के क्षेत्र में अधिक पारदर्शिता लाई जाए। तकनीकी ज्ञान और सभी जानकारी, सभी के लिए सामान्य रूप से सुलभ हो। इसके लिए सरकारों और वैश्विक संगठनों को कदम उठाने की जरूरत है। निजी कंपनियों के मुनाफे का उपयोग मानवता को लाभ पहुंचाना को प्राथमिकता मिले। विज्ञान और एआई के निजीकरण से आम लोगों को न केवल आर्थिक रूप से नुकसान हो रहा है, बल्कि इसका सामाजिक और सांस्कृतिक दुष्प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। दुनियाभर की जानकारी और बौद्धिक संपदा का उपयोग तकनीकी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियां एकाधिकार के रूप में उपयोग में ला रहे हैं। गूगल, फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, विकिपीडिया जैसे कई डिजिटल प्लेटफॉर्म हैं जिन्होंने पिछले 30 वर्षों में सारी दुनिया की जानकारी को एक जगह पर एकत्रित किया है। इसी जानकारी के बल पर एआई तकनीकी के माध्यम से सामाजिक व्यवस्था की छोटी-छोटी सी जरूरत को पूरा करने के लिए मानव की जगह मशीनों की एक नई दुनिया तैयार कर रहे हैं। मानव समाज को एआई तकनीकी के माध्यम से अपना गुलाम बनाकर शोषण करने की जो नई प्रवृत्ति देखने को मिल रही है यह सारी दुनिया के लिए बड़ी घातक है। अमेरिका जैसे देश में इसका विरोध होना शुरू हो गया है। भारत में एआई तकनीकी को बड़ी तेजी के साथ भारत में लाने की बात खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। लेकिन इसके फायदे कम और नुकसान बहुत ज्यादा हैं। आने वाली पीढ़ी पूरी तरह से मशीनों का गुलाम बनकर रह जाएगी। भारत जैसे देश में बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगी। बौद्धिक संपदा का उपयोग कुछ ही कंपनियों तक सीमित होकर रह जाएगा। अभी जो लोग अपनी पूरी जानकारी या अपना कम्युनिकेशन सोशल मीडिया के प्लेटफार्म से करते हैं, उसमें वह अपना एकाधिकार बना लेते हैं। जिन लोगों की बौद्धिक संपदा थी उसको भी वह बिना किसी रॉयल्टी के अपने लिए उपयोग करते हैं। एकाधिकार के बल पर यह शोषण अभी हो रहा है। एआई तकनीकी पर आश्रित होने के बाद यह और भी बढ़ जाएगी। एआई तकनीकी पर चैट, जीपीटी ने भारत में अपनी जो सेवाएं शुरू की हैं उसमें तरह-तरह से शुल्क वसूल किया जा रहा है। 2000 रुपये प्रतिमाह तक की दर पर छोटी छोटी सी सेवाओं का शुल्क वसूल किया जा रहा है। भारत में करोड़ों लोगों से हर माह दो-दो हजार रुपए विभिन्न सेवाओं के लिए न्यूनतम वसूल किए जा रहे हैं। अभी जब प्रारंभिक अवस्था में यह हाल है तो भविष्य में क्या होंगे, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। पढ़ने-लिखने और जानकारी हासिल करने के स्थान पर जब हमारी एक पूरी पीढ़ी इसके ऊपर आश्रित हो जाएगी तब क्या हाल होगा इसका अंदाजा लगाने मात्र से चिंता होने लगती है। भारत सरकार को भी इस दिशा में सोच समझकर इस तकनीकी को भारत में लाने वाली कंपनियों के लिए नियम कानून बनाने की जरूरत है। एकाधिकार का दुरुपयोग ना हो एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़े, सेवाओं का मूल्य तय किया जाए। भारतीय बौद्धिक संपदा के उपयोग पर भारतीय नागरिकों और भारत का अधिकार हो। इस दिशा में नियम, कानून-कायदे बनाने की जरूरत है।

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

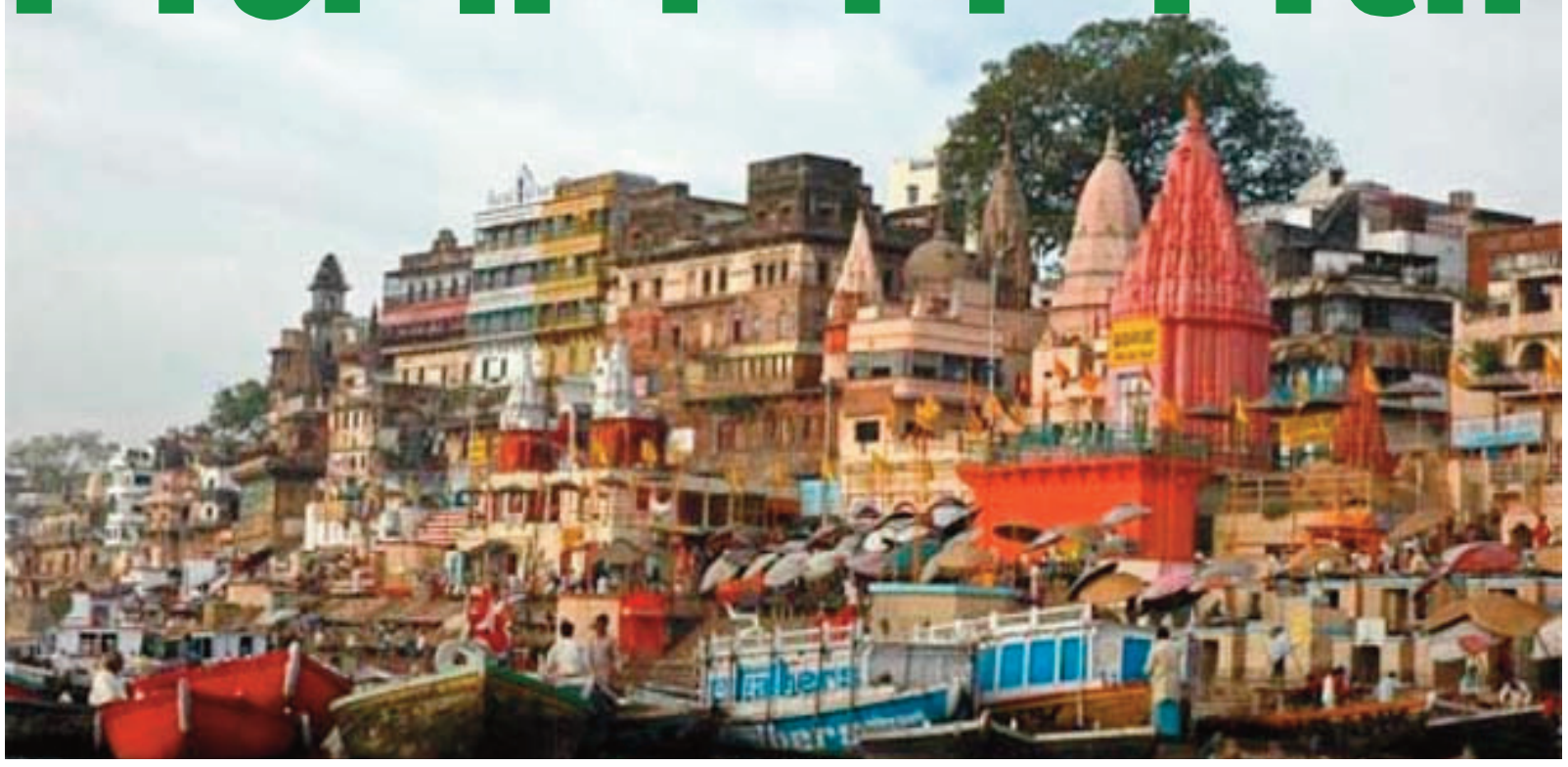

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दशमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

वेदांता रिसोर्सेज ने टैप इश्यू के उपयोग से जुटाए 30 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । मुंबई स्थित खनन समूह वेदांता लिमिटेड की मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज ने मौजूदा बॉन्ड निर्गम पर टैप इश्यू का उपयोग कर 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। टैप इश्यू एक ऐसी प्रक्रिया है जो कंपनियों को पिछले निर्गम से बॉण्ड या अन्य अल्पकालिक ऋण उपकरण जारी करने की अनुमति देती है। वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी वेदांता रिसोर्सेज फाइनेंस-2 पीएलसी (वीआरएफ) ने सिंगापुर एक्सचेंज को दी गई सूचना में बताया कि उसने सितंबर में जारी होने वाले 90 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड पर टैप इश्यू' विकल्प का इस्तेमाल किया है, जिससे 9.99 प्रतिशत की दर से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर और जुटाए जा सकेंगे। इस तरह उसने अपनी नगदी प्रबंधन प्रक्रिया जारी रखी है। वेदांता के एक अे धिकारी ने कहा कि कंपनी सितंबर 2024 में हमारे 90 करोड़ डॉलर के बॉण्ड जारी करने के तुरंत बाद अपनी टैप' पेशकश को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से काफी खुश है। वेदांता रिसोर्सेज ने सितंबर में मौजूदा बॉन्ड का पूर्व भुगतान करने के लिए दो साल से अधिक समय में अपने पहले डॉलर बॉन्ड निर्गम में 90 करोड़ डालर जुटाए थे।

जीजेसी 'एक राष्ट्र एक स्वर्ण दर' लागू करने की दिशा में कर रही काम

- खुदरा विक्रेताओं को मनाने का किया जा रहा है प्रयास

नई दिल्ली । अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने घोषणा की कि वह 'एक राष्ट्र एक स्वर्ण दर' को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश में सोने की कीमतों को मानकीकृत करना है, क्योंकि वर्तमान में ये कीमतें विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न हैं। जीजेसी के एक अधिकारी ने कहा कि हम एक ही दर पर सोना आयात करते हैं, लेकिन घरेलू खुदरा कीमतें एक शहर से दूसरे शहर में अलग होती हैं। हम चाहते हैं कि पूरे देश में एक समान दर लागू हो। यह बयान उन्होंने 22 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक चलने वाले वार्षिक स्वर्ण महोत्सव 'लकी लक्ष्मी' के लॉन्च के मौके पर दिया। जीजेसी ने अपने सदस्यों के साथ पहले ही 50 से अधिक बैठकें आयोजित की हैं और इस पहल के लिए 8,000 सुनारों को एक साथ लाने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा परिषद ने इस मुद्दे पर सरकार को सुझाव भी दिए हैं और उद्योग के हितधारकों को समझाने की कोशिशें जारी हैं।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ रुपया

मुंबई । रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भी भारतीय मुद्रा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 84.07 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में स्थिर रहा। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.08 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.97 पर रहा।

अडाणी ग्रुप की कंपनी को सेबी ने भेजा नोटिस

- कंपनी ने निवेशकों से क्या छुपाया, शेयर होल्डर्स ने लगाया ये बड़ा आरोप

नई दिल्ली ।

अडाणी ग्रुप की एक कंपनी को शेयर बाजार नियामक सेबी ने नोटिस भेजा है। यह नोटिस कंपनी के शेयरधारकों की शिकायत के बाद भेजा गया है। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्युशंस लिमिटेड ने इस बात की जानकारी दी है। दरअसल कंपनी के कुछ निवेशकों ने गलत तरीके से पब्लिक शेयरहोल्डिंग को कैटेगराइज्ड करने का आरोप लगाया है। कंपनी ने अपनी दूसरी तिमाही के नतीजों की टिप्पणी में विवरण दिए बिना कहा कि वह नियामक और वैधानिक अधिकारियों को इस मामले पर स्पष्टीकरण और जानकारी देगा। समूह की रिन्यूबल एनर्जी फर्म अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को सेबी से कोई नया नोटिस नहीं मिला है। एईएसएल ने कहा कि चालू तिमाही के दौरान कुछ पक्षों की शेयरधारिता को सार्वजनिक शेयरधारिता के रूप में गलत तरीके से वर्गीकृत करने का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनी ने कहा कि वह समय-समय पर जानकारी, प्रतिक्रिया, दस्तावेज या स्पष्टीकरण देकर विनियामक और वैधानिक प्राधिकरणों को जवाब देगी। सेबी के सूचीबद्धता नियम के अनुसार सूचीबद्ध कंपनी में कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सेदारी सार्वजनिक निवेशकों के पास होनी चाहिए। अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से सात को 31 मार्च को समाप्त तिमाही में संबंद्ध पक्ष लेनदेन के कथित

उल्लंघन और सूचीबद्धता नियमों का पालन न करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से कारण बताओ नोटिस मिला था। अडाणी एनर्जी सॉल्युशंस के शेयरों ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न नहीं दिया है। इस स्टॉक ने पिछले एक साल में शेयरधारकों का 35 फीसदी का रिटर्न दिया है। अक्टूबर 2023 में कंपनी के शेयरों का भाव 735 रुपये था और अब कीमत 1000 रुपये प्रति शेयर है।

जेपी मॉर्गन चेस बैंक इंडिया ने प्रणव चावड़ा को मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया

मुंबई ।

जेपी मॉर्गन चेस बैंक इंडिया ने प्रणव चावड़ा को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। अमेरिकी बैंकिंग प्रमुख जेपी मॉर्गन की इकाई ने कहा कि उसे भारत में बैंकिंग इकाई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में चावड़ा की नियुक्ति के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी मिल गई है। आधिका रिक बयान के अनुसार चावड़ा 2019 में जेपी मॉर्गन में शामिल हुए और वाणिज्यिक बैंकिंग खंड का नेतृत्व किया। अब उनकी जिम्मेदारियों का विस्तार किया जा रहा है और वह कॉर्पोरेट बैंकिंग इकाई का भी नेतृत्व करेंगे। जेपी मॉर्गन के एशिया प्रशांत के उपाध्यक्ष कौस्तुभ कुलकर्णी का कहना है कि हमारी बैंकिंग इकाई के सीईओ के रूप में प्रणव का अनुभव तथा स्थानीय बाजार की गहरी समझ उन्हें कॉर्पोरेट बैंकिंग व्यवसाय को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगी।

जिंदल पैंथर सीमेंट 2,160 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

नवीन जिंदल समूह की कंपनी जिंदल पैंथर सीमेंट ने अपनी उत्पादन क्षमता को 7 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लिए 2,160 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। इस विस्तार के तहत कंपनी ओडिशा के अंगुल में 1.5 एमटीपीए की नई सीमेंट ग्राईंडिंग यूनिट स्थापित करेगी, जिससे उत्पादन की संभावनाओं में वृद्धि होगी। इस नई यूनिट में जिंदल स्टील एंड पावर के अंगुल स्थित प्लांट से 1 एमटीपीए ब्लास्ट फर्नेस स्लैग का उपयोग किया जाएगा। ब्लास्ट फर्नेस स्लैग स्टील निर्माण का उप-उत्पाद है और इसका उपयोग सीमेंट बनाने में किया जाता है। इस विस्तार को अगले चार वर्षों में पूरा करने की योजना है। जिंदल समूह के पास पहले से ही छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 1 एमटीपीए की सीमेंट यूनिट है, जहां से जिंदल पैंथर ब्रांड के तहत सीमेंट बेचा जाता है। अंगुल और रायगढ़ में कुल मिलाकर 7 एमटीपीए की उत्पादन क्षमता का विस्तार कंपनी की सीमेंट उद्योग में उपस्थिति को और मजबूत करेगा और क्षेत्र की बुनियादी ढांचे की मांग को पूरा करने के लिए टिकाऊ निर्माण सामग्री प्रदान करेगा। जिंदल पैंथर सीमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अंगुल ग्राईंडिंग यूनिट का चालू होना भविष्य की ओर एक बड़ा कदम है। हमारा कम-कार्बन सीमेंट और नया वितरण मॉडल पूर्वी भारत के बुनियादी ढांचे की वृद्धि में मदद करेगा और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगा। इस बीच अदाणी परिवार के स्वामित्व वाली अंबुजा सीमेंट्स ने हाल ही में ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड में 46.8 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए 8,100 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सौदा सीमेंट उद्योग में अदाणी समूह की स्थिति को और मजबूत करेगा। जिंदल पैंथर सीमेंट का यह नया निवेश भारत के निर्माण क्षेत्र में विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लगातार तीसरे दिन लाल हुआ बाजार

आईटी शेयरों ने बचाई लाज

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दिखाई दी। विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की ओर से जमकर शेयरों की बिकवाली, चीन की तरफ उनके झुकाव और मिडिल-ईस्ट तनाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट नहीं थम सकी। इसके अलावा, अमेरिका में आगामी 5 नवंबर को हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बनी अनिश्चितता से भी निवेशकों में घबराहट दिखाई दी। हालांकि, आईटी शेयरों ने बड़ी गिरावट से बचाने में कामयाबी हासिल की। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स बुधवार को 138.74 अंक की गिरावट के साथ 80,081.98 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 36.60 अंक लुढ़ककर 24,435.50 के लेवल पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में निफ्टी आईटी एक मात्र ऐसा सेक्टर रहा जो 1 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल दर्ज कर सका। चूंकि, भारतीय शेयर बाजार में आईटी और बैंकिंग शेयरों का वजन ज्यादा होता है, इसकारण अगर ये सेक्टर बढ़ते हैं,तब बाजार को मजबूती मिलती है।

इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी (0.16 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.33प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (0.45 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.7प्रतिशत) और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। मगर खास बढ़त देखने को नहीं मिली। सबसे बड़ी गिरावट बुधवार को फार्मा सेक्टर में दिखाई दी। फार्मा सेक्टर के शेयर बुधवार को ओवरआल 1.56 प्रतिशत तक गिर गए। जबकि, अन्य सेक्टर्स में 1 प्रतिशत से कम की गिरावट देखने को मिली। बुधवार को 30 शेयरों वाले सेंसेक्स पर बजाज फाइनेंस के शेयर ने सबसे बड़ी, 4.95 प्रतिशत की उछाल दर्ज की। बजाज फाइनेंस का शेयर बुधवार को 7007.95 रुपये पर बंद हुए। गौरतलब है कि एनबीएफसी कंपनी ने 22 अक्टूबर को ही दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, टीसीएस,एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेंक, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और कोटक बैंक के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए। इसी तरह 50 शेयरों वाले निफ्टी-50 में सिर्फ 18 शेयर बढ़त बनाने में कामयाब रहे। निफ्टी-50 के टॉप गेनर स्टॉक्स में टॉप-5 में बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंज्यूमर, बजाज ऑटो और ,एचडीएफसी बैंक जगह बनाने में कामयाब रहे। वहीं सबसे बड़ी,

3.23 प्रतिशत की गिरावट, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में देखने को मिली। इसके अलावा, सनफार्मा, पावरग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक , टाइटन, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, जेएस डब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया के शेयर 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए।

ग्लोबल मार्केट

एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई और हांगकांग उच्च स्तर पर बंद हुए, जबकि टोक्यो में गिरावट दर्ज की गई। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला, जबकि मंगलवार को अमेरिकी बाजार सपाट बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत गिरकर 75.30 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

इस दिवाली गहनों की खरीदारी में कमी आने का अनुमान

- दिवाली के त्योहार से पहले ही सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली ।

इस साल दिवाली पर गहनों की खरीदारी को लेकर बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि मांग में 10 से 12 फीसदी की कमी आएगी। धनतेरस के अवसर पर सोने और चांदी की बिक्री में गिरावट की संभावना को देखते हुए थोक और खुदरा विक्रेताओं ने भी इसी प्रकार की चिंताओं का इज़हार किया है। विश्लेषकों का कहना है कि, भले ही सीमा शुल्क कम हुआ है, लेकिन दिवाली के त्योहार से पहले सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुँच गई हैं। वर्तमान में दिल्ली सराफा बाजार में सोने की कीमत लगभग 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि चांदी की कीमत एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गई है। इतनी ऊंची कीमतों पर गहनों की खरीदारी करना ग्राहकों के लिए आसान नहीं होगा। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सुवनकर सेन ने कहा, इस साल पिछले धनतेरस के मुकाबले मात्रा के लिहाज से बिक्री में 10-12 प्रतिशत की गिरावट की उम्मीद है। हालाँकि, मूल्य के आधार पर बिक्री में 12-15 प्रतिशत की वृद्धि संभव है। इस बार वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते सोने की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि बढ़ती

कीमतों के कारण उपभोक्ताओं की रुचि कम हो गई है। हालांकि, निवेशक समय के साथ ऊँची कीमतों के आदी हो जाते हैं और भविष्य में मांग फिर से बढ़ सकती है।

उद्योग पिछले साल के स्तर पर पहुँचने की उम्मीद कर रहा है। वहीं बताया जा रहा है कि दूसरी तिमाही के दौरान ग्राहकों की अच्छी संख्या को देखते हुए हम त्योहारों के दौरान बिक्री के लिए आशान्वित हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी यह उल्लेख किया कि हालाँकि कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुँच गई हैं, लेकिन त्योहारों के कारण सोने की खरीदारी में उछाल आने के संकेत मिल रहे हैं।

इस प्रकार इस दिवाली गहनों की बिक्री में गिरावट की उम्मीद के बावजूद, कुछ विक्रेता त्योहारों के दौरान सकारात्मक प्रतिक्रिया की आशा कर रहे हैं।

पेटीएम को नए यूपीआई यूजर्स जोड़ने के लिए एनपीसीआई से मंजूरी मिली

- पेटीएम ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज को सूचित कर दिया है

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने पेटीएम को नए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जोड़ने की मंजूरी दे दी है। पेटीएम ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि 22 अक्टूबर 2024 के पत्र के माध्यम से, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने सभी एनपीसीआई प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों और परिपत्रों के पालन के साथ कंपनी को नए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जोड़ने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने इसके साथ ही एनपीसीआई द्वारा जारी किया गया मंजूरी पत्र भी लगाया है। पत्र के अनुसार यह अनुमोदन एनपीसीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों और परिपत्रों के पालन के अधीन है, जिसमें विशेष रूप से जोखिम प्रबंधन, ऐप और क्यूआर के लिए ब्रांड दिशानिर्देश, बहु-बैंक दिशानिर्देश, टीपीएपी बाजार हिस्सेदारी और ग्राहक डेटा पर जारी दिशानिर्देश और परिपत्र शामिल हैं।

पिछले 9 दिनों में एयरलाइंस की 170 से अधिक उड़ानों को मिली बम की धमकी

- उड़ानों की रुकावट से कुल नुकसान लगभग 600 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

पिछले 24 घंटों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को लगभग 80 बम की धमकियां मिलीं, जो बाद में झूठी साबित हुईं लेकिन इसने हजारों यात्रियों और सुरक्षा एजेंसियों को चिंतित कर दिया। पिछले 9 दिनों में भारतीय एयरलाइंस द्वारा संचालित 170 से अधिक उड़ानों को बम धमकी मिल चुकी है, जिनमें से अधिकांश सोशल मीडिया के माध्यम से आईं, और इस कारण कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का मार्ग भी बदलना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को अकेले 50 उड़ानों को बम की धमकी मिली, जिनमें इंडिगो और एयर इंडिया की 13-13 उड़ानें शामिल थीं. आकासा एयर की 12 से अधिक उड़ानों और विस्तारा की 11 उड़ानों को भी धमकियां मिलीं। इसके अलावा, सोमवार रात इंडिगो, एयर इंडिया और विस्तारा की लगभग 30 उड़ानों को बम धमकी मिली थी। विमानन क्षेत्र के एक अधिकारी के अनुसार, घरेलू उड़ान में रुकावट से लगभग 1.5 करोड़ रुपये का नुकसान होता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए यह आंकड़ा 5-5.5 करोड़ रुपये तक जा सकता है। औसतन, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में होने वाले रुकावट से 3.5 करोड़ रुपये प्रति उड़ान का नुकसान होता है और 170 से अधिक उड़ानों को देखते हुए कुल नुकसान लगभग 600 करोड़ रुपये के आसपास है। अधिकारी ने बताया कि यह अनुमान व्यापक है क्योंकि इसमें कई अन्य कारक शामिल हैं। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मंगलवार को उसकी 13 उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। ये उड़ानें थीं 6ई196 (बेंगलुरु से लखनऊ), 6ई 433 (आइजोल से कोलकाता), 6ई 455 (कोलकाता से बेंगलुरु), 6ई 17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई 394 (कोलकाता से जयपुर), 6ई 318 (कोलकाता से अहमदाबाद), 6ई 297 (हैदराबाद से जोधपुर), 6ई 399 (लखनऊ से गोवा), 6ई 381 (गोवा से अहमदाबाद), 6ई 403 (पुणे से देहरादून), 6ई 419 (सूरत से गोवा), 6ई 323 (बागडोगरा से चेन्नई) और 6ई 214 (मुंबई से श्रीनगर)। प्रवक्ता ने कहा कि सभी यात्रियों को गंतव्य हवाई अड्डों पर सुरक्षित रूप से उतार दिया गया। वहीं आकासा एयर और विस्तारा ने भी इन घटनाओं की पुष्टि की. आकासा ने बताया कि उनकी कुछ उड़ानों को भी मंगलवार को सुरक्षा अलर्ट मिले। एयरलाइंस ने कहा कि वे सुरक्षा नियमों का पालन कर रही हैं और संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि बम धमकी आकलन समिति के प्रोटोकॉल में बदलाव किए गए हैं, ताकि रैंडम इंटरनेट-आधारित धमकियों का बेहतर तरीके से सामना किया जा सके।

वारी एनर्जीज़ के आईपीओ को मिल रहा अच्छा रिस्पांस

जीएमपी से मिल रहा मजबूत लिस्टिंग का संकेत

नई दिल्ली ।

निवेशकों के पास सोलर मॉड्यूल बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनीः वारी एनर्जीज़ के आईपीओ में पैसा लगाने का बुधवार को आखिरी मौका है। इश्यू को दूसरे दिन आठ गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया था। यह मेनबोर्ड आईपीओ सोमवार, 21 अक्टूबर, 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और बुधवार को बंद हो जाएगा। वारी एनर्जीज़ ने बताया कि उसने पहले ही एंकर निवेशकों से 1,276.93 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। वारी एनर्जीज़ के 4,321 करोड़ रुपये के आईपीओ को निवेशकों से शानदार रिस्पॉस मिल रहा है। आईपीओ में बोली के दूसरे दिन, 22 अक्टूबर को मजबूत मांग देखी गई और ऑफर को 8.8 गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, क्यूआईबीएस (क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स) के लिए आरक्षित हिस्सा 1.73 गुना बुक हुआ, एनआईआईएस (नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स) के लिए आरक्षित हिस्सा सबसे ज्यादा 24.38 गुना बुक हुआ और रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 6.39 गुना बुक हुआ। कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा 3.11 गुना बुक हुआ। आईपीओ को मंगलवार को 2,10,79,384 शेयरों के मुकाबले 18,58,11,795 शेयरों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। पहले दिन, आईपीओ को 3.47 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। वारी एनर्जीज़ की स्थापना 1989 में हुई थी और यह भारत का सबसे बड़ा सोलर मॉड्यूल निर्माता है, जिसकी 12 जीडब्यू क्षमता है। ग्रे मार्केट में भी इस आईपीओ में उल्लेखनीय रुचि देखी गई, जहां वारी एनर्जीज़ का जीएमपी 21 अक्टूबर को आईपीओ लॉन्च से पहले 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया था। हालांकि बुधवार को जीएमपी में मामूली गिरावट देखी गई।

देशभर में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में हुआ बदलाव

- क्रूड का भाव लगातार मामूली बढ़त के साथ 75.74 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

इजरायल और ईरान के बीच टेंशन थोड़ी कम हुई तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के भाव भी नीचे आ गए। इसका असर देशभर में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। बुधवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी तेल के खुदरा रेट में बदलाव दिख रहा है। उत्तराखंड के पहाड़ों से लेकर झारखंड और पश्चिम बंगाल के मैदानों तक सभी जगह तेल की कीमतों में बदलाव दिख रहा है। हालांकि, देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 93.32 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे चढ़ा और 88.12 रुपये लीटर पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में पेट्रोल 82 पैसे चढ़कर 106.44 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 77 पैसे बढ़कर 93.15 रुपये लीटर बिक रहा है। झारखंड की राजधानी रांची में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता हो गया और 97.81 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 18 पैसे टूटकर

92.56 रुपये लीटर हो गया है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। क्रूड का भाव लगातार मामूली बढ़त के साथ 75.74 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी थोड़ा चढ़कर 72.09 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नदिया में पेट्रोल 106.44 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर है। रांची में पेट्रोल 97.81 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। देहरादून में पेट्रोल 93.32 रुपये और डीजल 89.12 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

ओला कैब्स को देना होगा बैंक अकाउंट या कूपन चुनने का अधिकार

नई दिल्ली ।

ओला कैब्स कंपनी को अब रिफंड प्रक्रिया में ग्राहकों को बैंक अकाउंट या कूपन में से किसी एक विकल्प को चुनने का अधिकार देना होगा। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने यह आदेश जारी किया। इस प्रक्रिया को लेकर कंज्यूमर मिनिस्ट्री ने स्पष्ट किया है कि रिफंड के लिए विकल्प न देना कंज्यूमर राइट्स का उल्लंघन है। इस तरह की व्यवस्था से ग्राहक अगली राइड के लिए मजबूर होते हैं, जो उनके अधिकारों के खिलाफ है। सीसीपीए की चीफ कमिश्नर निधि खरे ने ओला को आदेश दिया है कि वह प्लेटफॉर्म पर बुक की गई सभी ऑटो राइड्स के लिए ग्राहकों को बिल, रसीद या इनवॉइस प्रदान करे। साथ ही, ऐप द्वारा ग्राहकों को चालान देने से मना करने की भी शिकायत आई है, जिसमें ऑटो सर्विस के नियमों में बदलाव का हवाला दिया गया है। इस वर्ष 9 अक्टूबर तक नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन पर ओला के खिलाफ 2,061 शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिनमें अधिकांश शिकायतें बुकिंग के समय से अधिक किराया और रिफंड न मिलने से संबंधित थीं।

पिछले सप्ताह सीसीपीए ने ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को कंज्यूमर राइट्स के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापन और अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।

बता दें कि वर्तमान में, जब ग्राहक ओला ऐप पर रिफंड के लिए शिकायत करते हैं, तो कंपनी उन्हें केवल कूपन के रूप में रिफंड देती है, जिसे वह अगले राइड के लिए ही इस्तेमाल कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में वापसी के लिए उतरेगी टीम इंडिया

पुणे (एजेंसी)। पहले टेस्ट मैच में अप्रत्याशित हार से आहत भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में वापसी करने के लिए गुरुवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में संतुलित टीम चयन करना होगा। पहले टेस्ट में भारत की पहली पारी महज 46 रन पर सिमट गई, जबकि दूसरी पारी में सुधार के बावजूद टीम को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

इस हार के कारण भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में कुछ अंक गंवाने पड़े हैं, और आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम की प्राथमिकता न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पुणे के एमसीए स्टेडियम की पिच को भारतीय परिस्थितियों के अनुसार तैयार किया गया है, जिसमें घास नहीं है और यह काली मिट्टी से बनी है, जिससे न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों को बेंगलुरु जैसी उछाल नहीं मिलेगी।

पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों विलियम ओरूर्के, मैट हेनरी और टिम साउदी ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। भारत टर्निंग विकेट तैयार कर सकता है, लेकिन इस पर ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि अतीत में ऐसा दांव उल्टा भी पड़ चुका है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया ने आठ साल पहले इसी पिच पर भारत को 333 रन से हराया था।

टीम में कुछ बदलाव की उम्मीद है। शुभमन गिल वापसी के लिए तैयार हैं, और केएल राहुल या सरफराज खान में से किसी एक को उनके लिए जगह बनानी होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर राहुल को अधिक मौके देने के पक्ष में हैं, जबकि सरफराज ने बेंगलुरु में 150 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। भारतीय टीम को सीनियर बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद है। कोहली ने 2019-20 के सत्र में यहां 254 रन की नाबाद पारी खेली थी और वह उस प्रदर्शन से प्रेरणा लेना चाहेंगे।

भारत की गेंदबाजी भी चिंता का विषय है, खासकर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के निरंतर खराब प्रदर्शन के कारण। टीम प्रबंधन आकाशदीप को मौका देने पर विचार कर सकता

है। दूसरी तरफ, अगर पिच से स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलती है, तो रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा इसका पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार रहेंगे। न्यूजीलैंड की टीम भी पहले टेस्ट में रचिन रविंद्र के शतक के बाद अन्य बल्लेबाजों से उपयोगी योगदान की उम्मीद कर रही है। भारतीय टीम को वापसी करने के लिए इस मैच में अपनी पूरी ताकत लगानी होगी।

टीम

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड : टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, मार्क चैपमैन, विल यंग, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर, रचिन रवींद्र, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), अजाज पटेल, मैट हेनरी, टिम साउदी,, विलियम ओरूर्के, जैकब डफी।

एमएस धोनी आईपीएल 2025 में खेलेंगे या नहीं? सस्पेंस बरकरार, मेगा ऑक्शन से पहले करेंगे सीएसके के साथ मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी आईपीएल 2025 में खेलेंगे या नहीं, फिलहाल अभी ये कंफर्म नहीं हुआ है। धोनी रिटेंशन डेडलाइन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के साथ मीटिंग करेंगे। जिसके बाद फ्रेंचाइजी कोई फैसला करेगी। फिलहाल, धोनी की कप्तान में सीएसके ने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं। लेकिन आईपीएल 2024 में उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी जिसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तानी मिली।

स्पोर्ट्स तक ने सीएसके के एक करीबी सूत्र के हवाले से बताया कि सीएसके मैनेजमेंट ने 43वर्षीय धोनी से संपर्क किया, जिसके बाद पता चला कि वह 28 अक्टूबर तक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में धोनी के सीएसके अधिकारियों से 29 या 30 अक्टूबर तक मिलने की उम्मीद है और फिर रिटेंशन को अंतिम रूप दिया जाएगा। सभी फ्रेंचाइजियों को 31 अक्टूबर तक रिटेंसन लिस्ट जारी करनी है। वहीं एक टीम पांच खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। जबकि एक खिलाड़ी के लिए ऑक्शन में आरटीएम यानी राइट टू मैच कार्ड इस्तेमाल किया जा सकता है।

एक फ्रेंचाइजी के पास ज्यादा से ज्यादा 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने का मौका है। टीम ज्यादा से ज्यादा 4 कैप्ड और 2 अनपैक्ड प्लेयर को रिटेन कर सकती है। जिन भारतीय खिलाड़ियों ने कम से कम पांच कैलेंडर वर्ष में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है उन्हें अनकैप्ड माना जाएगा।

आईसीसी रैंकिंग : टेस्ट में विराट कोहली से आगे निकले ऋषभ पंत

दुबई (एजेंसी)। ऋषभ पंत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बल्लेबाजों के लिए टेस्ट रैंकिंग में अपने सुपरस्टार भारतीय साथी विराट कोहली को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 99 रन बनाए थे जिससे उन्हें रैंकिंग में तीन स्थान का फायदा हुआ। दूसरी तरफ कोहली 70 रन बनाने के बावजूद एक पायदान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा दो पायदान नीचे गिरकर श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र (36 पायदान ऊपर 18वें स्थान पर) और डेवोन कॉनवे (12 पायदान ऊपर 36वें स्थान पर) ने बल्लेबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई जबकि उनके साथी मैट हेनरी (दो पायदान ऊपर नौवें स्थान पर) गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं।

महिला एक दिवसीय: भारत और न्यूजीलैंड आज आमने-सामने

-वनडे विश्व कप की तैयारी शुरू करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला से अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है। तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को होगा, दूसरा 27 और तीसरा 29 को खेला जाएगा। तीनों मुकाबले अहमदाबाद में ही खेले जाएंगे। इसमें टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी भी दांव पर लगी हुई है।

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां वे ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थीं। हरमनप्रीत ने इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाए, फिर भी उनकी कप्तानी की आलोचना की गई। ऐसे में इस श्रृंखला में उनके प्रदर्शन और नेतृत्व की परीक्षा होगी। हरमनप्रीत के लिए यह श्रृंखला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें अपने खेल और टीम को एक नई दिशा देने की आवश्यकता है। टीम के सामने चुनौती यह होगी कि वे न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर सकें। कीवी टीम ने हाल ही में टी20 विश्व कप जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया है, और वे अपने विजय अभियान को जारी रखना चाहेंगी। इस श्रृंखला में भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष की सेवाएं नहीं मिलेंगी, जो अपनी 12वीं की परीक्षा के कारण अनुपस्थित रहेंगी। इसके अलावा, अनुभवी ऑलराउंडर आशा सोबना भी चोटिल होने के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं, और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर भी पिछले टूर्नामेंट में चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला से बाहर हैं।

भारतीय टीम में नए चेहरों के तौर पर तेजल हसब्निस, साइमा ठाकोर, और प्रिया मिश्रा को शामिल किया गया है, जो युवा प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। टीम की सफलता काफी हद तक सलामी बल्लेबाजों शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। ये दोनों बल्लेबाज पिछले विश्व कप में निरंतरता नहीं दिखा पाईं, लेकिन इस बार उनके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी होगी। कप्तान हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स को मध्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी, विशेषकर तब जब टीम को रिचा घोष की कमी खलेगी। यह श्रृंखला नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेली जाएगी, और सभी खिलाड़ियों की नजरें एक सफल अभियान पर होंगी।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, डी हेमलता, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), सयाली सतगारे, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, तेजल हसब्निस, साइमा ठाकोर, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल।

न्यूजीलैंड: सोफी डिवाइन (कप्तान), सुजी बेट्स, एडेन कार्सन, लॉरेन डाउन, इज़ी गेज़ (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, पॉली इंगलिस (विकेटकीपर), फ्रान जोनास, जेस केर, मेली केर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहु।

रोहित शर्मा का रिकॉर्ड टूटा, सिकंदर रजा ने 33 गेंदों पर ठोका टी20 का सबसे तेज शतक

खेल डैस्क ।सिकंदर रजा ने बुधवार को गाम्बिया के खिलाफ टी20 मैच में रिकॉर्डतोड़ शतक जड़कर इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप सब रीजनल अफ्रीका क्वालीफायर ग्रुप बी मैच में 33 गेंदों में शतक बनाया, जो टेस्ट खेलने वाले देश के किसी खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक है। कप्तान रजा ने आगे बढ़कर अपनी टीम का नेतृत्व किया और अपनी नाबाद 133 रन की पारी के दौरान पार्क के चारों ओर गाम्बिया के गेंदबाजों की धुनाई की। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 7 चौके और 15 छक्के लगाए।

भारत एक मजबूत टीम, जो किसी के सामने झुकना नहीं चाहती : ब्रेट ली

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने भारतीय टीम को एक ऐसी 'मजबूत टीम' बताया है जो किसी के सामने झुकना नहीं चाहती। उन्होंने साथ ही अपने हमवतन खिलाड़ियों को आगाह किया जो आगामी पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में टीम इंडिया से भिड़ेंगे। बेंगलुरू में पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की आठ विकेट की हार के बाद ली की यह प्रतिक्रिया आई है। भारत की नजरें लगातार तीसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी हैं और टीम बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने खिताब की रक्षा के लिए अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। ली ने कहा, 'आज के दिन और पीढ़ी में भारत शक्तिशाली टीम है जो किसी के सामने झुकना नहीं चाहती। उन्हें पता है कि कैसे जीत दर्ज करनी है और उन्हें पता है कि वे ऑस्ट्रेलिया को कैसे हरा सकते हैं। उन्हें पता है कि वे न्यूजीलैंड को कैसे हरा सकते हैं। उन्हें पता है कि वे किसी भी दिन किसी भी टीम को हरा सकते हैं।' बेंगलुरू टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के प्रदर्शन पर ली ने कहा कि उन्हें लगता है कि वे शायद 'बैजबॉल' (बेहद आक्रामक होकर खेलने की रणनीति) से प्रभावित हो गए थे जिसके कारण कुछ खराब शॉट खेले। ली ने कहा, 'भारत रक्षात्मक होकर नहीं खेलना चाहता। शायद बैजबॉल दुनिया भर के अन्य क्रिकेटरों को भी प्रभावित कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत जिस तरह खेला उस पर उन्हें गर्व नहीं होगा। उन्होंने कुछ बेहद ढीले शॉट खेले।'

पेनल्टी कॉर्नर बना कमजोर कड़ी, युवा जर्मन टीम से हारी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आठ पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिलने के बावजूद गोल नहीं कर सकी भारतीय हॉकी टीम को दिल्ली में एक दशक बाद हो रहे अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच में जर्मनी की युवा टीम ने बुधवार को 2.0 से हरा दिया।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर 11 साल बाद हो रहे इस मुकाबले में जर्मनी का पलड़ा पहले से आखिरी मिनट तक भारी रहा जिसने भारतीय टीम को पूरे समय दबाव में रखा। पेरिस ओलंपिक में दस गोल करने वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह सीनियर स्तर पर इस मैदान पर अपने पहले मैच में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल नहीं कर सके जबकि सर्कल के भीतर स्ट्राइकर किसी मूव को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाए।

जर्मनी के लिए हेनरिक मर्टजेंस (तीसरा मिनट) और कप्तान लुकास विंडफेडर (30वां) ने गोल दागे। जर्मन गोलकीपर जोशुआ एन ओयेंकवू ने भारत के हर वार को नाकाम किया और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकरों में शुमार हरमनप्रीत को भी खामोश रखा। दिल्ली में बरसों बाद मैच देखने के लिये सप्ताह के बीच और दिन में खेल होने के बावजूद मैदान पर जमा छह से सात हजार

दर्शकों को भारत के प्रदर्शन से निराशा हाथ लगी।

विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेल 2010 के अलावा एशियाई खेल 1982 के कई शानदार मुकाबलों के गवाह रहे इस स्टेडियम पर यह बिल्कुल ही एकतरफा मैच था। आधे से ज्यादा युवा खिलाड़ियों के साथ आई जर्मन टीम ने तीसरे ही मिनट में हेनरिक मर्टजेंस के गोल के दम पर बढ़त बना ली। इसके चार मिनट बाद जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन भारत के रेफरल पर उसे खारिज कर दिया गया।

भारत को आठवें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सुखजीत सिंह गोल करने में नाकाम रहे। पहले क्वार्टर में जर्मनी ने एक गोल से बढ़त बना ली थी। दूसरे क्वार्टर में भारत को चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला लेकिन गोल नहीं हो सका। क्वार्टर के छठे मिनट में मनप्रीत सिंह ने संजय को अच्छा पास दिया जिसने दिलप्रीत सिंह को गेंद सौंपी लेकिन उनका शॉट बाहर से निकल गया। अगले मिनट भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन संजय गोल नहीं कर सके।

भारत को 25वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर अनुभवी अमित रोहिदास चूके तो 26वें मिनट में मिले दो पेनल्टी कॉर्नर हरमनप्रीत ने गंवाए। भारत को 27वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर दिलप्रीत ने रिबाउंड पर गोल कर दिया था लेकिन जर्मनी ने रेफरल लिया जिसके बाद भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। हरमनप्रीत के सीधे शॉट को जब जर्मन गोलकीपर ने रोका तो दर्शकों को विश्वास ही नहीं हुआ। जर्मनी को दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को लुकास ने गोल में बदला।

हाफटाइम तक जर्मनी के पास दो गोल की बढ़त थी। तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति गेंद को फिनिशिंग तक पहुंचाने में नाकाम रही। भारत को मिडफील्ड में हार्दिक सिंह की कमी बहुत खली जो चोट के कारण बाहर हैं। भारतीय टीम को 40वें मिनट में फिर दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन जर्मनी की टीम पूरी तैयारी के साथ आई थी और मेजबान को कामयाबी हाथ नहीं लगने दी। इस बीच अगले मिनट में पलटवार पर जर्मनी ने पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन कृशन बहादुर सिंह ने उसे बचा लिया। भारत और जर्मनी कल दूसरा और आखिरी मैच यहीं खेलेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं : पैट कमिंस

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला में अपनी गलतियों को सुधारने के लिए तैयार है। यह श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी, जिसमें दोनों टीमों के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। कमिंस ने इस बात पर जोर दिया कि ऑस्ट्रेलिया को एक दशक बाद ट्रॉफी अपने नाम करने का लक्ष्य है, खासकर जब से भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो श्रृंखलाएं जीती हैं। कमिंस ने कहा, हमने एक ब्रेक लिया था और अब इस श्रृंखला को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। भारत के खिलाफ पिछली कुछ टेस्ट श्रृंखलाओं में हमें किस्मत का साथ नहीं मिला, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमारे लिए हमेशा गर्व की बात है। उन्होंने याद दिलाया कि भारत ने 2020-21 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती थी, जब ऋषभ पंत ने गाबा में शानदार 89 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी। उस श्रृंखला में भारतीय टीम पहले टेस्ट में केवल 36 रन पर आउट हुई थी। कमिंस ने कहा, पिछली दो श्रृंखलाएं काफी पहले खेली गई थीं, इसलिए हमें उन्हें भुलाना होगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने के दौरान प्रशंसकों और मीडिया की अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं। पिछले मैच कठिन थे, खासकर गाबा में आखिरी सत्र में। हम जीत नहीं सके, लेकिन इस बार हम अपनी गलतियों को सुधारने पर ध्यान देंगे। उन्होंने ऋषभ पंत को भारत का एक्स फैक्टर कहा, यह कहते हुए कि उनका फोकस अपनी टीम की गलतियों को सुधारने पर है। कमिंस ने कहा, ऋषभ ने पिछली बार शानदार प्रदर्शन किया था। वह मध्यक्रम में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं और विकेट के पीछे वह हमेशा बोलते रहते हैं, जो हमारे लिए हंसी का कारण बनता है। जब शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के बारे में पूछा गया, तो कमिंस ने कहा, मैंने शुभमन के खिलाफ खेला है, लेकिन जायसवाल को ज्यादा खेलते नहीं देखा। दोनों युवा खिलाड़ी हैं और विभिन्न प्रारूपों में अच्छी पारी खेल चुके हैं। अभी श्रृंखला में समय है, इसलिए मैं अभी रणनीति के बारे में कुछ नहीं कह सकता। कमिंस का यह बयान आगामी श्रृंखला के प्रति उनकी तैयारियों और रणनीतियों की दिशा में संकेत करता है, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है।

मुश्फिकुर रहीम ने बनाए बांग्लादेश के लिए ऐतिहासिक रिकॉर्ड

ढाका । विकेटकीपर-बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम से खेलते हुए 24 साल पूरे कर लिए हैं, और इस दौरान उन्होंने क्रिकेट में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। दिलचस्प बात यह है कि इतने ही साल भारतीय दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भी खेला था। वर्तमान में, मुश्फिकुर ने 93 टेस्ट मैच खेले हैं और हाल ही में ढाका के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान एक नया मील का पत्थर हासिल किया है। मुश्फिकुर रहीम टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन तक पहुंचने वाले बांग्लादेश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उपलब्धि उनके करियर का एक महत्वपूर्ण क्षण है और यह दर्शाता है कि उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट में कितना बड़ा योगदान दिया है। बांग्लादेश के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज तमीम इकबाल हैं, जिन्होंने 70 टेस्ट (134 पारियों) में 5,134 रन बनाए हैं। वहीं, शाकिब अल हसन और मोमिनुल हक क्रमशः 4,609 और 4,269 रन के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। मुश्फिकुर रहीम ने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और तब से वह इस प्रारूप में बांग्लादेश के लिए एक मजबूत स्तंभ बने रहे हैं। उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बात करें, तो यह श्रीलंका के खिलाफ आया है, जहाँ उन्होंने 17 टेस्ट मैचों (30 पारियों) में 1,346 रन बनाए हैं, जिसमें 3 शतक भी शामिल हैं। इसके अलावा, मुश्फिकुर ने भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 500 से अधिक रन बनाए हैं, जो उनकी बल्लेबाजी कौशल का एक और प्रमाण है। मुश्फिकुर की यह उपलब्धि बांग्लादेश क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण है, और उनकी यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें बांग्लादेश क्रिकेट का एक प्रमुख चेहरा बना दिया है।

संजू सैमसन के साथ इन खिलाड़ियों को रिटेन करेगा राजस्थान रॉयल्स, युजवेंद्र चहल के लिए बनाई गई ये योजना

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 से पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन को लेकर चारों तरफ काफी चर्चा चल रही है। कहा जा रहा है कि अगले महीने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन का आयोजन होगा। वहीं 31 अक्टूबर तक सभी फ्रेंचाइजियों को रिटेंशन लिस्ट बीसीसीआई को सौंपनी है। इसी कड़ी में राजस्थान रॉयल्स ने भी अपनी रिटेंशन लिस्ट तैयार कर ली है। जिसमें टीम के कप्तान संजू सैमसन ओपनर यशस्वी जायसवाल और ऑलराउंडर रियान पराग को रिटेन किया जा सकता है। राजस्थान ने एक बार फिर से राहुल द्रविड़ को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। साथ ही माना जा रहा है कि उनके आने के बाद इस टीम में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। द्रविड़ के आने के बाद राजस्थान को उम्मीद है कि उनकी देखरेख में ये टीम दोबारा आईपीएल विजेता बनेगी। वहीं इंडिया टुडे के अनुसार, इस सीजन के लिए राजस्थान संजू, यशस्वी और रियान पराग को पक्का रिटेन कर सकती है। इस पर सहमति भी बन चुकी है। इन तीनों खिलाड़ियों ने इस टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और तीनों टीम इंडिया का भी हिस्सा हैं।

आमिर खान की दंगल ने 2,000 करोड़ कमाए, लेकिन मेरे परिवार को केवल 1 करोड़ मिले : बबीता फोगट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बबीता फोगट ने हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दंगल' से अपने परिवार को मिली कमाई के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। फोगट परिवार की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित इस फिल्म ने दुनिया भर में लगभग 2,000 करोड़ रुपए कमाए। हालांकि, बबीता ने खुलासा किया कि उनके परिवार को मुआवजे के तौर पर केवल 1 करोड़ रुपए मिले।

एक साक्षात्कार में बबीता ने यह चौंकाने वाली जानकारी साझा की जिससे एंकर हैरान रह गए। बातचीत के दौरान, एंकर ने यह पूछकर राशि की पुष्टि की, 'दंगल से कमाए गए 2,000 करोड़ रुपये में से, फोगट परिवार को केवल 1 करोड़ रुपए मिले?' पहलवान से राजनेता बनीं बबीता ने सिर हिलाकर और दृढ़ता से ÷हां÷ कहकर इसकी पुष्टि की। इसके अलावा, जब उनसे पूछा गया कि क्या इससे उन्हें निराशा हुई, तो बबीता ने अपने पिता महावीर फोगट द्वारा सिखाए गए मूल्यों को दर्शाते हुए एक शालीन जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'नहीं, पापा ने एक चीज कहीं थी कि लोगों का प्यार और सम्मान चाहिए।'

23 दिसंबर, 2016 को रिलीज हुई दंगल का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया था जिसमें आमिर खान ने न केवल महावीर फोगट की मुख्य भूमिका निभाई थी, बल्कि फिल्म के सह-निर्माता भी थे। इसमें महावीर फोगट की यात्रा को दर्शाया गया है, जो एक पूर्व पहलवान हैं जिन्होंने अपनी बेटियों गीता और बबीता फोगट को विश्व स्तरीय पहलवान बनने के लिए प्रशिक्षित किया।

बबीता फोगट का कुश्ती करियर शानदार रहा है। उन्होंने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता और 2014 में स्वर्ण पदक जीता। 2012 में उन्होंने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जिससे खेल में उनका नाम और मजबूत हुआ। उन्होंने 2016 के रियो ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया, हालांकि वह पोडियम पर जगह बनाने में विफल रहीं। 2019 में बबीता ने पेशेवर कुश्ती से संन्यास ले लिया और राजनीति में कदम रखा जिससे उनकी सार्वजनिक सेवा की यात्रा जारी रही।

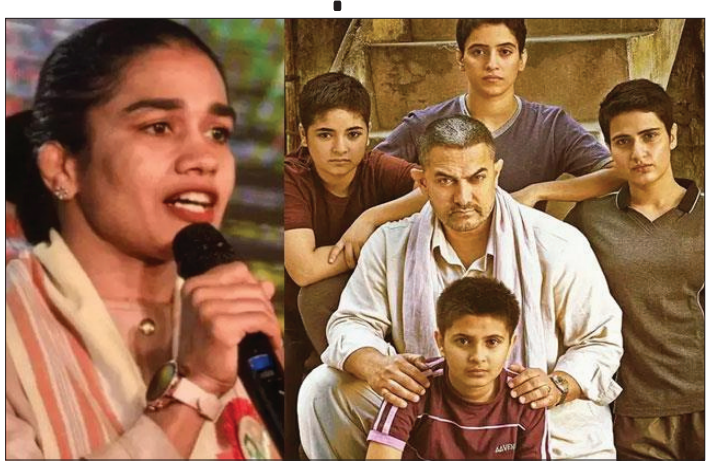

बृहद सूरत युवा ब्रह्मभट्ट समाज द्वारा आयोजित शरदोत्सव गरबा कार्यक्रम

सुरत भुमि, सूरत।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कल सूरत में बृहद सूरत युवा ब्रह्मभट्ट समाज द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर शरदोत्सव गरबा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गरबा में उपस्थित प्रत्येक अतिथि को ब्रह्मभट्ट समाज नारी शक्ति द्वारा प्रति परिवार उपहार दिया गया, इसके अलावा समाज के एक अन्य सहयोगी श्री. हर्षभाई ब्रह्मभट्ट द्वारा स्वैच्छिक दान भी वितरित किया गया जिसमें सूरत में रहने वाले ब्रह्मभट्ट परिवारों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में गरबा खेलने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार के पुरस्कार दिए गए।

उल्लेखनीय है कि महिला शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समाज की महिला शक्ति श्रीमती रिद्धिबेन भावेशभाई बारोट द्वारा पांच सिलाई मशीनों के सहयोग की घोषणा की गई थी, वहीं महिला शक्ति की सदस्य श्रीमती हेतल जसवन्तसिंह ब्रह्मभट्ट ने भी सहयोग की घोषणा की थी। दो सिलाई मशीनें देने की घोषणा की।

वहीं संस्था के अध्यक्ष श्री नीलकंठ भाई बारोट ने सभी अतिथियों, सहयोगियों, दानदाताओं एवं सेवा करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा श्रीमती रिद्धिबेन भावेशभाई बारोट एवं श्रीमती हेतलबेन जसवन्तसिंह ब्रह्मभट्ट द्वारा नि:शुल्क सिलाई मशीन बनाने की घोषणा की सराहना की। जरूरतमंद महिलाएं आत्मनिर्भर थीं। उल्लेखनीय है कि सिलाई मशीन दानदाताओं ने जरूरतमंद लाभार्थी बहनों के नाम गुप्त रखने की भावना व्यक्त की थी।

प्रवासी सेवा कार्य करके मनाएंगे पूनिया का जन्मदिन

सुरत भुमि, सूरत। सूरत में निवास कर रहे प्रवासी राजस्थानी हरियाणा भाजपा के प्रभारी एवं राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का जन्मदिन सेवा कार्य करके मनाएंगे। प्रवासी विश्वनाथ पचेरिया ने बताया कि 24 अक्टूबर को पूनिया का जन्मदिन है। इस अवसर पर प्रवासी राज-स्थानी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उनका जन्मदिवस सेलीब्रेट करेंगे। कार्यक्रम की कड़ी में सबसे पहले 24 अक्टूबर को वीआईपी रोड स्थित श्याम बाबा मंदिर में बाल भोग लगाया जाएगा। साथ ही बाबा श्याम से पूनिया के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की जाएगी। इसके बाद गौशाला में जाकर गौ माता को हरा चारा खिलाया जाएगा। इसके अलावा मूक बधिर संस्थान में बालकों को भोजन कराने और सिविल अस्पताल में मरीजों को फल वितरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रम में सूरत में गणमान्य प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहेंगे।

ग्रांड पैरेंट्स डे का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। महाराज अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को ग्रांड पैरेंट्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम नर्सरी से तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए किया गया। आयोजन में सभी बच्चे अपने-अपने दादा-दादी, नाना-नानी आदि के साथ हिस्सा लिया। इस मौके पर बच्चों ने स्टेज पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा अपने ग्रांड पैरेंट्स के सामने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

एयरटेल गुजरात में 5जी की अग्रणी नेटवर्क सेवा प्रदाता: ओपनसिग्नल रिपोर्ट

सूरत।

भारत की टेलीकॉम कंपनी एयरटेल ने ओपनसिग्नल की हालिया मोबाइल नेटवर्क अनुभव रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में 5जी नेटवर्क सेवा प्रदाता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। एयरटेल ने पांच प्रमुख नेटवर्क गुणवत्ता श्रेणियों में पहला स्थान हासिल करके इस क्षेत्र में 5जी सेवाओं के लिए सर्वोत्तम पसंद के रूप में अपनी स्थिति को साबित किया है। ओपनसिग्नल, जो वैश्विक स्तर पर मोबाइल अनुभव विश्लेषण में अग्रणी कंपनियों में से एक है, ने एयरटेल की गुजरात क्षेत्र में बढ़त को निम्नलिखित मेट्रिक्स के माध्यम से उजागर किया है।

5जी वीडियो अनुभव: एयरटेल गुजरात में 5जी वीडियो स्ट्रीमिंग में उत्कृष्टता प्राप्त कर रहा है, जिससे ग्राहकों को बिना रुकावट और बिना बफरिंग के अनुभव मिलते हैं।

5जी लाइव वीडियो अनुभव: एयरटेल का 5जी नेटवर्क लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग में सबसे कम डिले के साथ सेवा प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता खेल और संगीत कार्यक्रमों की रोमांचक विशेषताओं का आनंद ले सकते हैं।

5जी गेमिंग अनुभव: कंप्यूटर गेमिंग के शौकीनों के लिए, एयरटेल का नेटवर्क कम लेटेंसी के साथ बेहतर गेमिंग अनुभव सुनिश्चित करता है।

5जी डाउनलोड स्पीड: एयरटेल के ग्राहकों को गुजरात में सबसे तेज़ 5जी डाउनलोड स्पीड मिलती है, जिससे बड़े फ़ाइलों को जल्दी से डाउनलोड करने, अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन स्ट्रीमिंग और क्लाउड-आधारित एप्लिकेशन का त्वरित उपयोग करने में मदद मिलती है।

5जी अपलोड स्पीड: कंटेंट अपलोडिंग में भी एयरटेल सबसे आगे है, जिससे उपयोगकर्ताओं को वीडियो, दस्तावेज़ या लाइव स्ट्रीमिंग को तेजी से अपलोड करने में मदद मिलती है।

गोदरेज एंटरप्राईजेस ग्रुप ने ज्वेलर्स के लिए सिक्योरिटी अवेयरनेस प्रोग्राम पेश किया

सूरत। गोदरेज एंटरप्राईजेस ग्रुप के खंड, गोदरेज एंड बॉयस के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस ने अपने अत्याधुनिक हाई-सिक्योरिटी उत्पाद पेश किए हैं, जो विशेषकर ज्वेलरी सेक्टर के लिए बनाए गए हैं। हाल ही में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) द्वारा निर्धारित क्लास ई स्टैंडर्ड्स के अनुरूप लॉन्च की गई नई डिफेंडर ऑरम प्रो सेफ डीपीआईआईटी (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय) द्वारा जारी नए क्वालिटी कंटोल ऑर्डर (क्यूसीओ) का पालन करती है।

डिफेंडर ऑरम प्रो ज्वेलर्स को चोरी से सुरक्षा प्रदान करने का वादा करती है। गोदरेज ने यह सेफ विस्तृत शोध एवं विकास की प्रक्रिया के बाद आधुनिक सामग्री से बनाई है, जो चोरी के उपकरणों से बेहतर सुरक्षा प्रदान करती है। साथ ही, इसमें स्लीक और आधुनिक आवरण, बेहतर ग्रिप के लिए सुंदर डिज़ाईन का राउंड हैंडल, और इंटीरियर का आकर्षण बढ़ाने के लिए भव्य लैदरमैट दिया गया है। डिफेंडर ऑरम प्रो क्लास ई सेफ स्टाईल और बेजोड़ सुरक्षा का बेहतरीन मिश्रण पेश करती है।

इस अवसर पर श्री पर्सी मास्टर, नेशनल हेड - सेल्स एवं मार्केटिंग (इंस्टीट्यूशनल एवं रिटेल), सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस, गोदरेज एंड बॉयस ने कहा, ''गोदरेज एंड बॉयस में हमारा मानना है कि सुरक्षा केवल अपनी बहुमूल्य संपत्तियों की रक्षा के लिए आवश्यक नहीं होती है, बल्कि यह मन की शांति और खुशी भी प्रदान करती है, जो उनके सुरक्षित होने पर हमें मिलती है। डिफेंडर ऑरम प्रो क्लास ई सेफ द्वारा हम भारत में ज्वेलर्स की विकसित होती हुई सुरक्षा की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हमने रैगुलेटर्स के साथ मिलकर काम किया है और उद्योग की जरूरतों को समझकर यह नई सेफ बनाई है, जो सभी आवश्यक मानकों का पालन करती है। यह वर्तमान समय के खतरों से सुरक्षा देने के लिए बनाई गई है और किफायती मूल्य एवं सुरक्षा का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है।

क्यूसीओ द्वारा भारत सरकार ने आदेश दिया था कि भारत में बनने और बिकने वाली हाई-सिक्योरिटी सेफ पर क्वालिटी का हालमार्क, यानी बीआईएस लेबल होना अनिवार्य है। इस क्यूसीओ का पालन करने का दायित्व विक्रेता का होगा। इस नियम का उद्देश्य है कि खरीददारों को सभी सप्लायर्स से उच्च गुणवत्ता के उत्पाद मिल सकें, ताकि उनकी सुरक्षा में कोई सेंध न लगे। ग्राहकों को इस लेबल के बारे में जागरुक होना आवश्यक है और उन्हें आईएस-550 स्टैंडर्ड का पालन करने वाली बीआईएस लेबल की हाई-सिक्योरिटी सेफ ही खरीदना चाहिए। इस नियम के बाद ज्वेलर्स को सभी सप्लायर्स से हाई-क्वालिटी सेफ उपलब्ध होंगी, जिसका नेतृत्व गोदरेज कर रहा है। इस नियम के बाद सभी प्रक्रियाओं में सुरक्षा की प्राथमिकता सबसे ज्यादा हो गई है।''

उन्होंने आगे कहा, ''हमारा मानना है कि हमारे ग्राहक हमसे सेफ और वॉल्ट्स उद्योग में मार्केट लीडर के रूप में विशेष अपेक्षाएं रखते हैं। इसलिए हम वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी क्यूसीओ के बारे में जागरुकता बढ़ा रहे हैं।''

7 नवंबर को रिलीज होने वाली फिल्म "काले लगन छे!" की स्टार कास्ट सूरत में आए

सुरत भुमि, सूरत ।

फिल्म "काले लगन छे!!" 7 नवंबर 2024 को रिलीज हो रही है. रिलीज से पहले ही लोगों में फिल्म देखने की उत्सुकता बढ़ गई है. कॉमेडी, ड्रामा और रोमांटिक स्टोरी लाइन वाली इस फिल्म में पूजा जोशी और परीक्षित तमालिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया था. यह एक पूर्ण पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है जो सामान्य कॉमेडी से हटकर सस्पेंस से भरपूर है। एचजीपिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्माण हरेश पटेल, रुचित पटेल और संजय देसाई ने किया है। फिल्म के लेखक और निर्देशक बेहद प्रतिभाशाली हुमायूं मकरानी हैं। गौरतलब है कि पूजा और परीक्षित की जोड़ी "हुं अने तू" के बाद एक बार फिर साथ आ रही है. फिल्म के प्रमोशन को लेकर मुख्य अभिनेता परीक्षित तमालिया और अभिनेत्री पूजा जोशी और अनुभवी अभिनेता अनुराग प्रपन्ना सूरत आए और सूरत के समता गौधनी शोरूम में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्म पर चर्चा की।

"कल शादी छे!?!" फिल्म में परीक्षित और पूजा के अलावा अनुराग प्रपन्ना, दीपिका रावल, पूजा मिस्त्री, मीर हनीफ, मेहुल व्यास, मौलिक पाठक और उमेश बारात भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म एक च्याराज आयुषज्ञ की यात्रा दिखाती है, जो दीव की यात्रा के दौरान एक लड़की इशिका से मिलता है, जहां रहस्यमय खुलासे उसे अपनी योजनाओं को बदलने के लिए मजबूर करते हैं और हर मोड़ दर्शकों को हास्य प्रदान करेगा। ट्रेलर में परीक्षित और पूजा को एक कार में यात्रा करते हुए भी दिखाया गया है। दर्शक उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए उत्सुक हैं।

टाटा मोटर्स ने 'कस्टमर केयर महोत्सव' का उद्घाटन किया, यह कार्यक्रम कमर्शियल गाड़ियां खरीदने वाले ग्राहकों के लिए देशभर में चलाया जाएगा

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कमर्शियल वाहनों के निर्माता, टाटा मोटर्स ने अपने कस्टमर केयर महोत्सव 2024 को लॉन्च कर दिया है। कमर्शियल वाहन के उपभोक्ताओं के साथ जुड़ाव बनाने वाला यह कार्यक्रम 24 दिसंबर 2024 तक चलेगा। इस अनूठे महोत्सव का आयोजन देशभर में 2500 से ज्यादा अधिकृत सेवा केंद्रों पर किया जाएगा। इसमें कमर्शियल वाहनों के मालिक और ड्राइवर एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण चर्चाएं करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत, ग्राहक कई लाभ उठा सकते हैं। वह प्रशिक्षित तकनीशियन से गाड़ियों की पूरी जांच करा सकते हैं, और उन्हें कई अतिरिक्त सेवाओं तक पहुंच भी मिलेगी। ड्राइवरों को सुरक्षित और ईंधन बचाने वाले ड्राइविंग के तरीके सिखाने के लिए विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा, अपनी संपूर्ण सेवा 2.0 पहल के तहत कई विशेष रूप से तैयार पेशकशें भी मिलेंगी।

टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री गिरीश वाघ ने कस्टमर केयर महोत्सव 2024 एडिशन का उद्घाटन करते हुए कहा, "हम इस साल कस्टमर केयर महोत्सव को दोबारा लाकर काफी उत्साहित हैं। इसकी शुरुआत 23 अक्टूबर से हो रही है। इस

दिन का हमारे लिए खास महत्व है क्योंकि हमने 1954 में अपना इसी दिन पहला कमर्शियल वाहन बेचा था। अब हम इसे कस्टमर केयर डे के रूप में मनाते हैं। यह महोत्सव उपभोक्ताओं को बेहतरीन सर्विस देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें गाड़ियों की अच्छी तरह जांच की जाएगी और ग्राहकों को कई और लाभ भी मिलेंगे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह महोत्सव हमारे सभी उपभोक्ताओं की जिंदगी में खुशियां बिखेरे, चाहे वे देश के किसी भी हिस्से में रहते हों। इससे हम अपने सभी साथियों और हितधारकों से अपने रिश्ते और मजबूत करना चाहते हैं। हम सभी ग्राहकों को अपने नजदीकी टाटा ऑथोराइज्ड सर्विस सेंटर पर आने के लिए आमंत्रित करते हैं और मुझे पूरा यकीन है कि इस पहल से उनके बिजनेस को बहुत मदद मिलेगी।''

टाटा मोटर्स के पास कमर्शियल वाहनों की एक बड़ी रेंज है। कंपनी संपूर्ण सेवा 2.0 पहल के तहत उपभोक्ताओं को कई विशेष सेवाएं प्रदान करती है, जो कमर्शियल वाहनों की पूरी जिंदगी मैनेज करने में मदद करने के लिहाज से डिजाइन की गई है। वाहनों की सभी तरह की जरूरत के समाधान की शुरुआत गाड़ी खरीदने से होती है। इस कार्यक्रम के तहत कई विशेष सेवाएं दी जाएंगी, जिससे वाहनों का रखरखाव और प्रबंधन करने में ग्राहकों को मदद मिलेगी। गाड़ी में टूट-फूट या गाड़ियों के खराब होने पर मदद मिलेगी। गाड़ी की सर्विसिंग समय पर होगी। इसके साथ ही वार्षिक मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (एएमसी) भी किये जायेंगे और उपभोक्ताओं को यहां गाड़ियों के असली स्पेयर पार्ट्स आसानी से मिल जाएंगे। टाटा मोटर्स गाड़ियों के बेहतर प्रबंधन के लिए फ्लीट ऐज का उपयोग करती है, इससे ऑपरेटर्स को कमर्शियल वाहनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल में मदद मिलती है और गाड़ियों के स्वामित्व की कुल लागत भी कम होती है।

बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने किया वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों का ऐलान

मुंबई । प्रीसिजन इंजीनियरिंग एवं मैन्युफैक्चरिंग की प्रमुख कंपनी बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएफआईएल) ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने ऑडिटेड कॉन्सोलिडेटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी. यह मंजूरी 21 अक्टूबर 2024 को हुई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में दी गई.

वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के कॉन्सोलिडेटेड फाइनेंशियल के हाईलाइट:

1. बीएफआईएल के राजस्व में सालाना आधार पर 60.1 फीसदी की शानदार वृद्धि आई. वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में परिचालन से राजस्व 2,228.7 मिलियन रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 1,392.2 मिलियन रुपये रहा था. इसका कारण ग्राहक जोड़ने पर लगातार ध्यान देना और विशेष इंजीनियरिंग उत्पादों की मांग बरकरार रहना है.

2. एबिटा में 116.5 फीसदी की तेजी आई. मार्जिन में 763 बीपीएस की बढ़ोतरी आई और यह वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही के 21.6 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 29.3 फीसदी पर पहुंच गया. यह बढ़ोतरी परिचालन का दायरा बढ़ने और भारी उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण आई, जिससे बेहतर मार्जिन मिलता है। 3. पीएटी में 106.9 फीसदी की तेजी आई. पीएटी मार्जिन में 489 बीपीएस का सुधार हुआ. यह वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 16.7 फीसदी था, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 21.6 फीसदी हो गया.

बीएफआईएल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर त्रिमान चंडोक ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के प्रदर्शन के बारे में कहा:

"भारत में प्रीसिजन इंजीनियरिंग इंडस्ट्री वृद्धि के अगले चरण की दहलीज पर खड़ी है. उसे तेजी से हो रहे बदलाव का फायदा मिल रहा है, क्योंकि दुनिया भर में कंपनियां आपूर्ति श्रृंखला के जोखिम को कम करने के लिए चीन+1 की रणनीति अपना रही हैं।

इंडस्ट्री में व्यापक बदलावों के साथ मिलकर यह रणनीतिक बदलाव अपार अवसर खोल रहा है और लंबी अवधि में विकास का रास्ता बना रहा है. इस गति का पूरा फायदा उठाने के लिए हम अपनी क्षमता बढ़ाने पर पर्याप्त निवेश कर रहे हैं, ताकि निकट भविष्य में मजबूत व सकारात्मक परिणामों के लिए हम खुद को तैयार कर सकें.चालू तिमाही के दौरान वित्तीय उपलब्धि तो हासिल हुई ही. उसके अलावा इंडस्ट्री की चुनौतियों से निपटने और नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए कई बदलाव हुए. हमने अपनी क्षमता मजबूत करने पर ध्यान दिया, जिससे तेजी से बदल रहे बाजार में हमारी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त सुनिश्चित हुई।

बेलगाम में नई यूनिट का काम जोर-शोर से चल रहा है. कंपनी नए मैन्युफैक्चरिंग कैंपस के पहले फेज को कमर्शियलाइज करने की कगार पर है. यह विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाएगा.

कंपनी के पास मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर के हिसाब से एक मजबूत ऑर्डर बुक है. आने वाली तिमाहियों में प्लान्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के कमर्शियलाइजेशन की उम्मीद है. ऑर्डर बुक के संदर्भ में 32 हजार टन की मशीनिंग क्षमता का पूरा इस्तेमाल किया जाएगा. शुरुआती कमर्शियलाइजेशन के फोर्जिंग आउटपुट में मर्सिडीज बेंज की प्रोडक्शन लाइन की कैपेसिटी को पूरा करने के साथ-साथ मशीनिंग कैपेसिटी में हो रहे विस्तार की भी संभावना है। कंपनी के पास रेलवे, रक्षा और एयरोस्पेस जैसे बेहद खास डोमेन में एग्रीमेंट से 72 हजार टन की फोर्जिंग क्षमता की साफ संभावना है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टोयोटा रुमियन का लिमिटेड फेस्टिवल एडिशन पेश किया

बैंगलोर।

कार खरीदारों के लिए इस त्यौहारी सीज़न को खास बनाते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज टोयोटा रुमियन का फेस्टिव एडिशन पेश किया। इस लिमिटेड-एडिशन में एक्सक्लूसिव टोयोटा जेनुइन एक्सेसरी (टीजीए) पैकेज शामिल हैं जिसका उद्देश्य रुमियन के सौंदर्य और उससे मिलने वाले आराम को बेहतर करना है। यह इस सीज़न को भव्यता और स्टाइल के साथ मनाने के लिए एकदम सही मोबिलिटी विकल्प है।

रुमियन का यह फेस्टिवल एडिशन सभी ग्रेड में उपलब्ध है और डीलर-फिटेड टीजीए पैकेज के साथ आता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव मिले।

फेस्टिव एडिशन की पेशकश पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री सबरी मनोहर ने कहा, "हम लिमिटेड-एडिशन टोयोटा रुमियन पेश करते हुए बेहद खुशी महसूस कर रहे हैं। यह न केवल खूबसूरती और आराम को बेहतर करता है बल्कि बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव भी सुनिश्चित करता है। अब जब हम उत्सव के उत्साह में दीवाली की ओर बढ़ रहे हैं तो अपने ग्राहकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता बनी हुई है। यह स्पेशल एडिशन ग्राहक संतुष्टि के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है जो प्रीमियम एक्सेसरीज़, एक्सटेंडेड वारंटी और बेहतरीन आफ्टर-सेल्स सर्विस जैसी सुविधाओं के माध्यम से नयापन प्रदान किया है जो भारतीय खरीदारों की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए बारीकी से डिज़ाइन किया गया है।"

टोयोटा रुमियन ने पहले ही एक बहुमुखी और परिवार के अनुकूल एमपीवी के रूप में अच्छी लोकप्रियता हासिल कर ली है, जो पूरी जगह वाले इंटीरियर, ईंधन दक्षता और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं का सहजता से मेल कराती है। 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और एक सहज 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के बीच विकल्प प्रदान करते हुए, मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों के उत्साहियों के लिए एक सहज ड्राइविंग अनुभव प्रदान करते हुए, यह एमपीवी नियो ड्राइव (आईएसजी) तकनीक और ई-सीएनजी तकनीक के साथ शक्तिशाली के सीरीज 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन में उपलब्ध है । अत्याधुनिक के-सीरीज इंजन पेट्रोल एडिशन के लिए 20.51 किमी/लीटर और सीएनजी एडिशन के लिए 26.11 किमी/किलोग्राम की उत्कृष्ट ईंधन दक्षता भी प्रदान करता है।

टोयोटा रुमियन छह रुपांतरों में उपलब्ध है - एस एमटी/एटी, जी एमटी, और वी एमटी/एटी, एस एमटी सीएनजी जो ग्राहकों के लिए विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)